नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 48 | नोएडा, बुधवार, 18 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

अपने जीवन को एक नई दिशा में ले जाने की शक्ति को कभी कम मत होने दो।



यूरिया से ज्यादा असरदार होगा ग्रीन अमोनिया!

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि देशभर में 10,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में ग्रीन अमोनिया के परीक्षण किए जा रहे हैं। इनमें पंजाब का 1,800

देशभर में 10 हजार हेक्टेयर में चल रहा परीक्षण

हेक्टेयर क्षेत्र भी शामिल है। उन्होंने कहा कि यह यूरिया से कहीं अधिक प्रभावी है। वहीं भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 4.36 प्रतिशत बढ़कर 38.69 करोड़ टन रहने का अनुमान है। कृषि मंत्री सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी किया।



मंगलवार को शिवराज सिंह चौहान मोहाली के बदरपुर गांव में एक खेत में ग्रीन अमोनिया का परीक्षण प्रत्यक्ष तौर पर देखने पहुंचे। इस मौके पर पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, पंजाब में हम पहले ही 1,015 हेक्टेयर क्षेत्र में परीक्षण कर चुके हैं। संगरूर, बठिंडा, अमृतसर, होशियारपुर, कपूरथला और नवांशहर में भी परीक्षण किए जाएंगे और हम इनके नतीजों का आकलन करेंगे। वैज्ञानिकों का हवाला देते हुए चौहान ने कहा कि यूरिया में 46

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया फायदा

प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, जबकि ग्रीन अमोनिया में इसकी मात्रा करीब 82 प्रतिशत होती है। उन्होंने कहा, 46 प्रतिशत की तुलना में 82 प्रतिशत का मतलब है कि यह कहीं अधिक प्रभावी है। मंत्री ने कहा कि किसान जब यूरिया डालते हैं, तो उसका वास्तविक उपयोग केवल करीब 40 प्रतिशत ही हो पाता है।

किसानों के लिए खुल रहे आय के नए स्रोत

कृषि मंत्री ने कहा, व्यावसायिक और नकदी फसलों की ओर यह बढ़ता रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन का यह रिकॉर्ड न केवल देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि बागवानी करने वाले किसानों की आय भी सीधे तौर पर बढ़ाएगा। फल उत्पादन 2025-26 में 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 11.76 करोड़ टन था। इसमें 54.2 लाख टन की वृद्धि होगी। केले, आम, पपीता, सेब, अनार और कटहल के उत्पादन में बढ़ोतरी से इसमें मदद मिलेगी।

उत्पादन बढ़ने का अनुमान

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने कहा कि बागवानी फसलों का रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर करीब 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने के बावजूद उत्पादन बढ़ने का अनुमान है। ये आंकड़े राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य सरकारी एजेंसियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। चौहान ने उत्पादन में वृद्धि का श्रेय किसानों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि किसान पारंपरिक फसलों से हटकर औषधीय पौधों की खेती कर रहे हैं।

मथुरा में दो दिन चला भाजपा का महामंथन

मिशन उत्तरप्रदेश 2027 का तैयार हुआ रोडमैप



मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के फरह के परखम में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हो गई। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिन तक व्यापक मंथन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के चिंतक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया।

जल्द ही कम हो सकता है हवाई किराया बढ़ेंगी फ्लाइट्स

भारत 1,000 विमान खरीदेगा, पीयूष गोयल ने बताया बड़ा प्लान



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अपनी बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए 1,000 और सिविल एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने के लिए तैयार है। विमानों की संख्या बढ़ने से हवाई किराया कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि देश इस समय विमानों की भारी कमी से जूझ रहा है और कुल जरूरत को पूरा करने के लिए भारत को 2,000 से ज्यादा विमानों की जरूरत होगी। इसलिए विमान बनाने वाली कंपनियों से तेज लगातार बातचीत हो रही है। पीयूष गोयल ने यह बड़ी जानकारी दी।

भारत और मिस्र के बीच बढ़ेंगी डायरेक्ट फ्लाइट्स-केंद्रीय मंत्री ने भारत और मिस्र के बीच एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें ज्यादा एयर कनेक्टिविटी की जरूरत है... जैसे ही हमें और विमान मिलेंगे, हमें यकीन है कि हम मिस्र के लिए और अधिक फ्लाइट्स शुरू कर पाएंगे। पीयूष गोयल दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से मिस्र की यात्रा पर हैं। वर्तमान में इजिप्टएयर भारत और मिस्र के बीच सीधी उड़ानें संचालित करती है।

हमारा भविष्य कंपटीशन से नहीं, कोऑपरेशन से तय हो

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत और आसियान देशों के बीच बेहतर सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का भविष्य प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग से तय होना चाहिए। साथ ही,उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच शांति और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और आसियान मिलकर दुनिया की लगभग एक-चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और उनमें इस क्षेत्र को शांति और स्थिरता का प्रतीक बनाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में हमारी थीम अच्छी है।



इस साल यह मेरी किसी आसियान देश की तीसरी यात्रा- प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आसियान के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत और नौ आसियान देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन, दोनों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, इस साल यह मेरी किसी आसियान देश की तीसरी यात्रा है। यह दिखाता है कि भारत के लिए आसियान का कितना विशेष महत्व है। हमारा मानना है कि भारत का विकास और आसियान की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। 'आसियान कम्युनिटी विजन 2045' और 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये दोनों साझा लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने आसियान की एकता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 2014 से अब तक हमने पीपल-टू-पीपल टाइज मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए हैं और 10000 कैपेसिटी बिल्डिंग स्कॉलरशिप दी हैं। आज भारत और आसियान देशों के बीच डायरेक्ट फ्लाइट्स और बढ़ता पर्यटन भी हमारी निकटता का प्रमाण है।

2 सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत



ऋषिकेश, रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। उत्तराखंड में मंगलवार सुबह दो सड़क हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 31 लोग घायल हुए हैं। पहला

उत्तराखंड में हादसा, एमपी-यूपी के 2-2 लोग शामिल

दूसरी घटना में खाई में गिरी बोलेरो, 31 फीसदी हादसे बढ़े

हादसा टिहरी जिले में ऋषिकेश-बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर गूलर के पास हुआ। यात्रियों से भरी बस करीब 100 मीटर नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 साल की बच्ची समेत 25 लोग घायल हुए हैं। इससे पहले एम्स के डॉक्टरों ने 10 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन



बाद में एसपी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने 9 मौतों की पुष्टि की। दूसरा हादसा रुद्रप्रयाग की क्यूंजा घाटी में हुआ। यहां 4 लोगों की मौत हो गई है।

पेड़-पत्थरों से टकराती हुई नीचे जा गिरी बस

हादसे में घायल यात्रियों ने बताया कि बस की रफ्तार बहुत तेज थी। पुल से पहले अचानक से क्या हुआ समझ नहीं आया। बड़े-बड़े पेड़ों और पत्थरों से टकराते हुए बस खाई में गिरती जा रही थी। बस के अंदर सभी यात्री एक-दूसरे के ऊपर गिर रहे थे। चारों ओर चीख मची हुई थी। कुछ ही सेकेंड में तेज आवाज हुई हमारी बस जमीन पर गिरी। बस पूरी टूट चुकी थी। कई लोग घायल थे। कुछ लोग मर चुके थे। लोग बस से बाहर निकलने की कोशिश करने लगे।

माफी दिल से मांगें, दिमाग से नहीं, सुप्रीम कोर्ट की संजय राउत को नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका के खिलाफ कथित टिप्पणियों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को नसीहत दी है। आपराधिक अवमानना की कार्यवाही पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि माफी दिल से आनी चाहिए, दिमाग से नहीं। कोर्ट ने राउत को अनुभवी नेता और सांसद बताते हुए सार्वजनिक बयान देते समय संयम बरतने की सलाह दी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबी) की ओर से पत्रकार निखिल वागले और संजय राउत के खिलाफ दायर आपराधिक अवमानना याचिका से जुड़ा है। दोनों पर न्यायपालिका के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान जस्टिस कुमार ने कहा कि इतने गंभीर मामले में माफी दिल से आनी चाहिए, न कि दिमाग से। उन्होंने राउत से कहा कि वह एक अनुभवी राजनेता और सांसद हैं। अदालत उनके भाषण पहले से सुनती रही है।



राजनाथ-जयशंकर की जोड़ी जापान में मचाएगी बड़ी 'धूम'

दिखाएगी कमाल! 2 प्लस 2 वार्ता के लिए आज पहुंचेंगे टोक्यो



नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ टोक्यो में भारत-जापान विदेश और रक्षा मंत्रियों की चौथी 2 प्लस 2 वार्ता में शामिल होंगे। राजनाथ सिंह यहां जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। इस उच्चस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। यह वार्ता बुधवार से जापान में शुरू होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जापान की इस यात्रा के दौरान समझौते होंगे।

जापान के शीर्ष नेताओं से मिलेंगे राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह का आधिकारिक जापान दौरा 18 नवंबर को प्रारंभ होगा। वह 18 और 19 नवंबर को जापान के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। जापान की ओर से जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल होंगे। वार्ता में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और रक्षा सहयोग के सभी प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। दोनों देश स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियमों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहराएंगे।



मनीला के 100 साल पुराने गुरुद्वारे में पीएम मोदी का नमन सिख समुदाय के लिए गर्व का क्षण : हरदीप सिंह पुरी

'सिख समुदाय की जो मांग थी, उस पर भी उन्होंने काम किया'

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश और 100 साल पुराने खालसा दीवान गुरुद्वारे जाने, फिलीपींस में भारतीय सिख समुदाय के योगदान और गुरुद्वारे के पुनर्निर्माण पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपनी टिप्पणी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जब भी विदेश यात्रा पर जाते हैं, वहां के गुरुद्वारे में जरूर जाते हैं और सिख समुदाय से मिलते हैं। हरदीप सिंह पुरी ने आईएएनएस से विशेष बातचीत करते हुए कहा, 'पीएम मोदी जब तेहरान गए थे, तब हमारी कम्युनिटी से मिले, रोम में और न्यूजीलैंड में गए थे, तब वह मिले थे। आज उसी तरह वे मनीला में गुरुद्वारा में गए, जो 100 साल पुराना है और उसका पुनरुद्धार होगा।' उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी ने सिख समुदाय को ध्यान में रखकर कई कदम उठाए हैं। 1984 के जो पीड़ित



परिवार थे। 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने उसे जेनोसाइड और क्राइम अगेंस्ट ह्यूमैनिटी बताया। जब पीएम मोदी ने अपना दायित्व संभालने के बाद एक एसआईटी नहीं स्थापित की, उससे पहले कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। एसआईटी के बाद जिम्मेदार राजनीतिक लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। ' हरदीप सिंह पुरी ने कहा, 'सिख समुदाय की जो मांग थी, उस पर भी उन्होंने काम किया। जैसे गुरुद्वारा साहिब पर जो लंगर लगता है, उसके जीएसटी पर फैसला लिया गया। लंगर पर जीएसटी खत्म करना सिख समुदाय की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया।

'उन्होंने कहा, 'इसके अलावा अफगानिस्तान में दंगे हुए तो पीएम मोदी ने निर्णय लिया कि हमारे समुदाय के जो लोग थे, वे वापस आ रहे थे, उन्हें सुरक्षित भारत लाया जाए। सिख समुदाय छोटा समुदाय है, लेकिन वे हार्ड वर्किंग हैं। दुनियाभर में जहां भी सिख समुदाय रहता है, वहां उन्होंने अपनी मेहनत, ईमानदारी और सेवा भाव से पहचान बनाई है। '

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'पीएम मोदी सिर्फ सिख समुदाय को ही नहीं, बल्कि उनकी जरूरी मांगों को भी समर्थन करते हैं। वीर बाल दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। मेरा निजी अनुभव है कि जब भी सिख समुदाय का विषय आया है, तो पीएम मोदी ने उसका ध्यान रखा है। चाहे न्यूजीलैंड, मनीला या ईरान में हो, जहां पर भी वह जाते हैं, वहां पर सिख समुदाय को जो भी परेशानी हुई है, उन्होंने उसका समाधान निकाला है। '

उन्होंने कहा कि मनीला का खालसा दीवान गुरुद्वारा फिलीपींस में सिख समुदाय की आस्था का प्रमुख केंद्र है। 100 वर्ष पुराने गुरुद्वारे में जाकर पीएम मोदी पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, वह सराहनीय है। करीब 305 मिलियन पेसो की लागत से इसके पुनर्निर्माण का कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का वहां जाकर नमन करना और पुनर्निर्माण कार्य की शुरुआत में शामिल होना, वहां की संगत के लिए ऐतिहासिक और भावुक क्षण है।

चुनाव आयोग के कामकाज और एसआईआर को लेकर विपक्षी नेताओं की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में टली सुनवाई

विपक्ष की तरफ से दाखिल नई अर्जी पर याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल ने नोटिस जारी करने की मांग की।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के कामकाज और विभिन्न राज्यों में एसआईआर प्रकिया को लेकर दायर राहुल गांधी समेत 13 विपक्षी नेताओं की याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई की अगली तारीख 9 दिसंबर तय की है। विपक्ष की तरफ से दाखिल नई अर्जी पर याचिकाकर्ताओं की तरफ से कपिल सिब्बल ने नोटिस जारी करने की मांग की। कोर्ट ने कहा कि अगली सुनवाई के दौरान तय करेंगे। नई अर्जी के जरिए विपक्ष ने 48 सवाल मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों से पूछने की इजाजत मांगी है। बता दें कि सोमवार, 16 नवंबर को विपक्षी नेताओं की तरफ से चुनाव आयोग के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में



हलफनामा दाखिल किया गया था। विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों निर्वाचन आयुक्तों और आयोग के आईटी महानिदेशक से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ करने की इजाजत मांगी थी।अपने हलफनामे में विपक्षी गठबंधन ने आयोग से पूछने के लिए वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े 48 बुनियादी सवाल पूछे थे। हलफनामे में आरोप लगाया था कि निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जो हलफनामा दाखिल किया है, उसमें 'वोट चोरी' और मतदाता सूची पुनरीक्षण से जुड़े किसी भी मुख्य सवाल का जवाब नहीं दिया गया है। विपक्षी नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में 48 सवालों की एक सूची सौंपी थी, जिसका जवाब निर्वाचन आयुक्तों से व्यक्तिगत रूप से मांगा गया। विपक्ष का कहना था कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में भारी खामियां रही थीं।

सोनिया गांधी का जीवन हिंसा और त्रासदी से भरा रहा, फिर भी वह आशावादी हैं: गौरव गोगोई

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि उन्हें 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के लॉन्च में शामिल होने का मौका मिला और उन्होंने इस मौके को कांग्रेस पार्लियामेंट्री पार्टी (सीपीपी) की चेयरपर्सन सोनिया गांधी की 'शान, सादगी और शानदार ताकत' का सबूत बताया। गौरव गोगोई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'उनकी जिंदगी के अलग-अलग चरण के लोग किताब का जश्न मनाने के लिए इकट्ठा हुए थे और अलग-अलग पीढ़ी के कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी थी। सोनिया गांधी की जिंदगी के बारे में बताते हुए गौरव गोगोई ने कहा कि उनकी यात्रा प्यार, हिंसा, साहसिक कार्य, सफलता, दुःखद घटना, बीमारी और ताकत से बनी है। उन्होंने लिखा, 'उनकी जिंदगी का कैनवस प्यार, हिंसा, साहसिक कार्य, सफलता, दुःखद घटना, बीमारी और ताकत से भरा हुआ है। फिर भी आज तक वह सकारात्मक, आशावादी, परवाह करने वाली, संवेदनशील और बहुत समझदार बनी हुई हैं। ' गोगोई ने यह भी भरोसा जताया कि यह संस्मरण आने वाले सालों में हजारों पढ़ने वालों को प्रेरित करेगा और कहा कि सोनिया गांधी ने लॉन्च के समय मौजूद लोगों में एक चिंगारी जगाई थी। हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा पब्लिश किया गया यह संस्मरण सोनिया गांधी के व्यक्तिगत सफर, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से शादी और नेहरू-गांधी परिवार के अनुभवों के बारे में बताता है। राहुल गांधी ने कहा, 'हर खाने में पापा होते थे और पापा की गोद में मां होती थीं। मुझे लगा कि यह एक नॉर्मल बात है।' उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि उनके दोस्तों के माता-पिता की यह आदत नहीं थी। राहुल गांधी द्वारा अपने बचपन को याद करते हुए कही गई यह बात बुक लॉन्च के सबसे ज्यादा चर्चा में रहे पलों में से एक बन गई और इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींचा।

सेना प्रमुख ने चेक गणराज्य संग रक्षा सहयोग सीबीआरएन सुरक्षा पर की वार्ता

● मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा शिक्षा और सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। भारत और चेक गणराज्य के बीच रक्षा सहयोग को विस्तार देने पर चर्चा हुई है। इसके अंतर्गत सैन्य शिक्षा, ट्रेनिंग और रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल एवं परमाणु खतरों से निपटने की क्षमता पर वार्ता हुई। भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने चेक गणराज्य की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान वहां के प्रमुख रक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यह बातचीत की। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने, अधिकारियों के



पेशेवर आदान-प्रदान और रक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षण के नए अवसर तलाशने पर जोर दिया गया। जनरल धीरज सेठ ने ब्रनो स्थित डिफेंस यूनिवर्सिटी के रेक्टर-कमांडर ब्रिगेडियर जनरल जान फारलिक से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा शिक्षा और सैन्य प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपसी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। डिफेंस यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग से दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों को एक-दूसरे के अनुभवों और प्रशिक्षण प्रणालियों को समझने के अवसर मिल सकते हैं।

सेना प्रमुख ने संयुक्त रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल एवं परमाणु रक्षा उत्कृष्टता केंद्र के संचालन सहायता विभाग के निदेशक कर्नल जारोस्लाव रयबाक से भी बातचीत की। इस बैठक में सीबीआरएन रक्षा से जुड़े विषयों पर सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया। सीबीआरएन रक्षा का संबंध रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु खतरों से सैनिकों तथा सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा से है। आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों के बीच इन खतरों की पहचान, उनसे बचाव और उनके प्रभावों से निपटने की क्षमता सैन्य बलों के लिए महत्वपूर्ण है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। उनके वकील ने सर्वोच्च न्यायालय से सुनवाई टालने की मांग की थी। वकील ने कोर्ट को



जानकारी दी थी कि आसाराम अब जेल मे सरेंडर कर चुके है। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दाखिल आसाराम की याचिका पर ठंड की छुट्टियों के बाद सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। बता दें कि राजस्थान हाईकोर्ट ने मई 2026 में निचली अदालत से मिली उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा था। 27 मई 2026 को राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर बेंच ने आसाराम को सामूहिक दुष्कर्म और आपराधिक साजिश के आरोपों से बरी कर दिया था। हालांकि, कोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की अन्य गंभीर धाराओं के तहत उनकी दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा था। बीते महीने 27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की मेडिकल पैरोल बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी और मौजूदा अवधि समाप्त होने पर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। आसाराम राजस्थान में 2013 के नाबालिग से दुष्कर्म मामले में जोधपुर की सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। जोधपुर की एक अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया था।

दिल्ली में इमारत गिरने से 3 वर्षीय बच्ची समेत दो की मौत, चार लोगों को बचाया गया

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके में इमारत ढहने की घटना में तीन वर्षीय बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि हादसे में चार अन्य लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने भी हादसे पर शोक जताया है। दिल्ली के शाहदरा जिले के विवेक विहार स्थित ज्वाला नगर इलाके में इमारत गिरने की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए तथा राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों के अनुसार, मलबे में छह लोगों के फंसे होने की सूचना मिली थी। अधिकारियों ने बताया, 'सूचना प्राप्त होते ही पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। कैट एंबुलेंस की सहायता से मलबे में फंसे सभी छह लोगों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए हेडगेवार अस्पताल भेजा गया। ' हालांकि,



डॉक्टरों ने तीन वर्षीय बच्ची और 30 वर्षीय पिंटू को मृत घोषित कर दिया। घायलों की पहचान लड्डू उर्फ देवांश (27), विकेश (35), आकाश (25) और दलीप उर्फ डिम्पा (22) के रूप में हुई है। सभी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृतक और घायल सभी लोग किरायेदार थे तथा जिस इमारत में वे रह रहे थे, उसके मालिक सुरेंद्र सिंह हैं। पुलिस ने कहा, 'मामले की आगे जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।' घटना से संबंधित विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

पहाड़गंज इमारत हादसे में मकान मालिक और ठेकेदार पकड़े गए

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। पहाड़गंज में होटल निर्माण के दौरान इमारत का हिस्सा ढहने के मामले में पुलिस ने मकान मालिक रमन और ठेकेदार अनवर को पकड़ लिया है। दोनों के खिलाफ पहाड़गंज थाने में बीएनएस की धारा 290, 125(ए), 223(ए) और 3(5) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मध्य जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के अनुसार, यह हादसा 15 नवंबर को पहाड़गंज में हुई थी। इमारत में होटल बनाने का काम चल रहा था। हादसे के समय दूसरी मंजिल की छत का लिंटर डाला जा रहा था। इसी दौरान इमारत का एक हिस्सा अचानक ढह गया। मलबे की चपेट में आने से वहां काम कर रहे आठ मजदूर घायल हो गए थे।

भाजपा नेताओं ने कहा-पीएम मोदी का 'गुरुद्वारा खालसा दीवान' जाना, सिख समुदाय के लिए गर्व की बात

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपींस के मनीला स्थित 'गुरुद्वारा खालसा दीवान' साहिब में मत्था टेका। इस अवसर पर पीएम ने प्रवासी सिख समुदाय के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। सिख समुदाय की ओर से उन्हें विशेष स्मृति चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। पीएम मोदी के गुरुद्वारे दौरे को लेकर भाजपा नेताओं ने इसे सिख समुदाय के लिए गौरव का दिन बताया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री का पद्भार संभालने के बाद पीएम जब भी विदेश गए हैं और वहां कोई गुरुद्वारा साहिब रहा है तो वे वहां जरूर गए हैं। मुझे कई ऐसे दौरों की याद है-जैसे जब वे तेहरान गए तो वहां हमारे समुदाय के लोगों से मिले, जब वे वैंकूवर, रोम या न्यूजीलैंड गए, तो उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेका। आज, टीवी चैनलों की बदौलत हमने मनीला से जो लाइव कार्यक्रम देखा, उसमें एक 100 साल पुराना गुरुद्वारा साहिब है। वहां भी प्रधानमंत्री मोदी गए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते गुए केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने लिखा कि सिख गुरुओं की महान विरासत, उनके त्याग, बलिदान और मानवता के संदेश के प्रति सम्मान को प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यों से निरंतर अभिव्यक्त किया है। चाहे छोटे साहिबजादों की शहादत को देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए 'वीर बाल दिवस' की शुरुआत हो, 70 वर्षों से अधिक समय बाद श्री करतारपुर साहिब



कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय हो, 1984 के पीड़ितों को न्याय दिलाने के प्रयास हों या श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूपों को अफगानिस्तान से सम्मानपूर्वक भारत लाना हो, पीएम मोदी ने सिख समुदाय की आस्था, सम्मान और अधिकारों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अब फिलीपींस के मनीला स्थित ऐतिहासिक खालसा दीवान गुरुद्वारा साहिब के व्यापक पुनर्विकास की आधारशिला रखकर प्रधानमंत्री दुनिया भर में सिख संस्कृति और विरासत के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक नया आयाम दे रहे हैं। पांच मंजिला आधुनिक गुरुद्वारा परिसर वहां की सिख संगत को बेहतर सुविधाएं और सामुदायिक कार्यों के लिए समुचित स्थान उपलब्ध कराएगा। यह पहल केवल एक ऐतिहासिक श्री गुरुद्वारे साहिब का पुनर्विकास नहीं, बल्कि दुनिया भर में सिख समुदाय की आस्था, पहचान और गौरवशाली विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक है। सिख गुरुओं के आदर्शों के प्रति श्रद्धा और उनकी महान विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प निरंतर आगे बढ़ रहा है। भाजपा सांसद तरुण चुघ ने कहा कि मनीला के ऐतिहासिक खालसा दीवान गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नतमस्तक होना और इसके पुनर्विकास की आधारशिला रखना, सिख गुरुओं की महान परंपराओं के प्रति उनके गहरे सम्मान और श्रद्धा, तथा सिख समुदाय के लिए उनके स्नेह को दर्शाता है। यह केवल किसी धार्मिक स्थल के पुनर्विकास की पहल नहीं है बल्कि हमारी गौरवशाली विरासत और सिख गुरुओं की शिक्षाओं को सहेजने का एक संकल्प भी है। विशेष रूप से इस संदेश को कि 'मानस की जात सब एकै पहचानबो' (पूरी मानवता को एक ही मानना)। सिख समुदाय के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान केवल भारत तक ही सीमित नहीं है।

जनता के लिए खोला जाएगा शीश महल, मंत्री प्रवेश वर्मा ने किया ऐलान

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को 'शीश महल' को लेकर बड़ा फैसला लिया है। शीश महल अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। इसकी जानकारी खुद दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने दी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि 'शीशमहल' अगले सप्ताह से आम जनता के लिए खोला जाएगा। पहले इसे स्टेट गेस्ट हाउस बनाने का फैसला लिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि कभी बंगला और गाड़ी नहीं लेने का दावा करने वाले व्यक्ति ने कई बंगलों को तुड़वाकर शीश महल बनवाया। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, 'कई सालों से दिल्ली की जनता शीश महल को देखना चाहती थी। मैं दिल्लीवासियों को ये खुशखबरी देना चाहता हूं कि पिछली कैबिनेट की बैठक में यह तय हुआ था कि शीश महल को स्टेट गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। मगर अब दिल्ली की जनता और मीडिया की मांग को देखते हुए ये तय किया गया है कि शीश महल को जनता के लिए खोला जाएगा। इसके लिए टिकट की बुकिंग कैसे करनी है, उसके बारे में बाकी जानकारी आपको आगे दी जाएगी। '

भारत-जापान विदेश और रक्षा मंत्रियों की 2 प्लस 2 वार्ता, राजनाथ व जापानी रक्षामंत्री करेंगे मुलाकात

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह टोक्यो में भारत-जापान विदेश और रक्षा मंत्रियों की चौथी '2 प्लस 2 वार्ता' में हिस्सा लेंगे। राजनाथ सिंह यहां जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे। इस उच्चस्तरीय वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर करेंगे। यह वार्ता बुधवार से जापान में शुरू होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जापान की इस यात्रा के दौरान भारत और जापान के बीच रक्षा सहयोग को नई दिशा देने पर चर्चा होगी। दोनों देश रक्षा उपकरणों और तकनीक



के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने के साथ-साथ समुद्री सुरक्षा और तीनों सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यासों का दायरा बढ़ाने पर भी विचार करेंगे। राजनाथ सिंह का आधिकारिक जापान दौरा 18 नवंबर को प्रारंभ होगा। वह 18 और 19 नवंबर को जापान के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। जापान की ओर से जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी और विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी इस महत्वपूर्ण वार्ता में शामिल होंगे। वार्ता में दोनों देशों के बीच रणनीतिक और रक्षा सहयोग के सभी प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा। दोनों देश स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियमों पर आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता भी दोहराएंगे।

गौरतलब है कि राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बीच इस साल यह तीसरी मुलाकात होगी। इससे पहले दोनों नेता अगस्त 2026 में नई दिल्ली और अक्टूबर 2026 में फिलीपींस के सेबू में आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मिल चुके हैं। इन बैठकों में बनी सहमति को आगे बढ़ाते हुए दोनों नेता रक्षा क्षेत्र में व्यावहारिक सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।

निवास सत्यापन पूरा होने पर सौरव दास बोले, पुलिस को पहले से पता था मेरा पता

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास ने अपने निवास के सत्यापन पर कहा कि हम एससीएम कोर्ट में कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे जज या एसीपी के आने का दो घंटे से इंतजार कर रहे थे। आखिकार सुनवाई हु और यह मुख्य रूप से इस बात के सत्यापन के बारे में थी कि मैं दिल्ली में कहां रहता हूं। मीडिया से बातचीत के दौरान दास ने कहा कि यह सभी को पता है कि पुलिस को पहले से ही मालूम है कि मैं कहां रहता हूं, फिर भी पिछले एक महीने से उनका यही कहना था कि वे इसकी पुष्टि नहीं कर पा रहे हैं। हम आज इस पुष्टि की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए यहां आए थे। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली में मेरे निवास स्थान की पुष्टि हो गई है। मैंने उनके द्वारा मांगे गए जरूरी दस्तावेज उन्हें सौंप दिए, लेकिन इस स्पष्ट शर्त के साथ कि इन्हें लीक नहीं किया जाना चाहिए। सुनवाई कर रहे जज ने आदेश दिया कि ये दस्तावेज-चाहे वे अदालत, पुलिस या अभियोजन पक्ष के पास हों-किसी भी हाल में लीक नहीं होने चाहिए। उन्होंने मीडिया से भी अपील की है कि अगर उनके पास भी उनका कोई दस्तावेज आता है तो उसे न फैलाएं, बल्कि उनके साथ जानकारी साझा करें। सीजेपी क्लब के बारे में आशुतोष रांका ने कहा कि मुझे लगता है कि इसका मकसद यह है कि ऐसे बहुत से लोग हैं जो सीजेपी से जुड़ना चाहते हैं। साथ ही हमारी विचारधारा और हमारे विजन को लेकर भी काफी चर्चा होती है। इसलिए यह एक ऐसी जगह है जहां समान सोच वाले लोग इकट्ठा होंगे और कई दिलचस्प कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हमें पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में यह आंदोलन सिर्फ एक शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में भी फैलेगा यानी यह क्लब कॉन्सेप्ट पूरे देश में पहुंचेगा। दूसरी ओर, सीजेपी लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह ने दिल्ली के प्रदूषण पर नाराजगी जाहिर की।

संक्षिप्त डायरी

दिवाली मनाकर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

अनप्लग इंडिया

नोएडा। दिवाली पर अपने गांव गया युवक वापस गाजियाबाद स्थित जीजा के घर लौटते समय यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गया। कानपुर देहात निवासी अजय कुमार (23) गाजियाबाद में अपने जीजा के साथ रहते था और नोएडा स्थित एक कंपनी में नौकरी करता था। दिवाली के मौके पर वह बाइक से अपने घर गया था। सोमवार सुबह करीब छह बजे वह गांव से वापस गाजियाबाद लौट रहा था। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर दनकौर क्षेत्र में स्पोर्ट्स सिटी के नजदीक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। अजय को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सेक्टर-22डी सोसाइटी में विदेशी नागरिकों के सत्यापन पर सवाल

अनप्लग इंडिया

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक सेक्टर-22डी स्थित प्राधिकरण की ओर से विकसित हाईराइज सोसाइटी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निवासियों की चिंता बढ़ गई है। सोसाइटी में रह रहे विदेशी नागरिकों के पुलिस सत्यापन और वीजा की वैधता को लेकर निवासियों ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। सोसाइटी निवासी समर्पित आर्या ने बताया कि पूर्व में पुलिस जांच के दौरान कुछ विदेशी नागरिकों के वीजा की अवधि समाप्त होने के मामले सामने आए थे। इसके बावजूद सभी विदेशी नागरिकों के पासपोर्ट, वीजा और पुलिस सत्यापन की नियमित जांच के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। निवासियों के अनुसार, कुछ समय पहले नारकोटिक्स विभाग ने सोसाइटी में छापेमारी की थी। इस दौरान कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया था। इस घटना के बाद से ही सोसाइटी में रहने वाले परिवारों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। निवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सोसाइटी में रह रहे सभी विदेशी नागरिकों के पासपोर्ट और वीजा की वैधता की जांच कराई जाए। साथ ही उनका अनिवार्य पुलिस सत्यापन सुनिश्चित किया जाए

दिव्यांगों के शौचालय पर लापरवाही भारी

एजेंसी

नोएडा। जेवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिव्यांग मरीजों के लिए बनाया गया शौचालय बदहाल है। साफ-सफाई और रखरखाव नहीं होने से मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए शौचालय की हालत सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही है। एक ओर सरकार स्वच्छता अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सफाई के प्रति जागरूकता फैला रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में ही इसकी अनदेखी हो रही है। अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर सफाई व्यवस्था की बदहाली स्वच्छता अभियान के दावों की जमीनी हकीकत उजागर कर रही है।

जमानत पर बाहर आकर चेन लूट करने लगा बदमाश, साथी संग गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

नोएडा। बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो ईनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वो पूर्व में मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा था। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। इस समय दीपू ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव और मोनू भंगेल में रह रहा था। डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि रविवार देर रात बीटा-2 कोतवाली पुलिस 130 मीटर रोड पर ढकिया बाबा गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो युवकों को रूकने का इशारा किया लेकिन पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों की बाइक फिसल गई। गिरने के बाद दोनों ने पुलिस ने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। जिसमें दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों के पास से चोरी की एक बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर है। मोनू चेन स्नेचिंग में जेल जा चुका है। इस समय जमानत पर जेल से बाहर चल रहा था। वहीं जून माह में मुठभेड़ के दौरान दीपू फरार हो गया था। तब उसका साथ राजेंद्र उर्फ लल्लू लूट की चेन के साथ गिरफ्तार हुआ था। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था।

अधिसूचित जमीन पर प्लॉट बेचकर 18 लाख की ठगी, बिल्डर गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। यमुना प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर प्लॉट बेचकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में वांछित बिल्डर को दनकौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेक्टर-168 स्थित गोल्डन पाम सोसाइटी निवासी अनुराग प्रताप राय (46) के रूप में हुई। वह यूपीएल होम्स और यूटीएल इंफ्रा रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक है। दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर निवासी राखी निंबा ने 29 अक्तूबर को मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि उन्होंने दनकौर देहात क्षेत्र में कंपनी की डिलाइट होम्स परियोजना के तहत 100 वर्ग गज का प्लॉट खरीदा था। इसके लिए चेक और बैंक ट्रांसफर के माध्यम से कंपनी को 18 लाख रुपये का भुगतान किया था। वर्ष 2023 में 30 जून को प्लॉट की रजिस्ट्री भी करा दी गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर यमुना प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन के वास्तविक रकबे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया था। इसके बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर राखी निंबा के अलावा मीनाक्षी गोयल और जसमीत कौर को भी प्लॉट बेच दिए। आरोप है कि निवेशकों से रकम वसूलने के बाद आरोपी ने कार्यालय बंद कर लिया। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि अमरपुर गांव के पास साइट के नजदीक से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात शव

एजेंसी

नोएडा। दनकौर रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक सोमवार सुबह स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से पॉइंट्समैन दिनेश कुमार ने रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो ट्रैक पर शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों और स्टेशन स्टाफ की मदद से शव की पहचान करने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी।

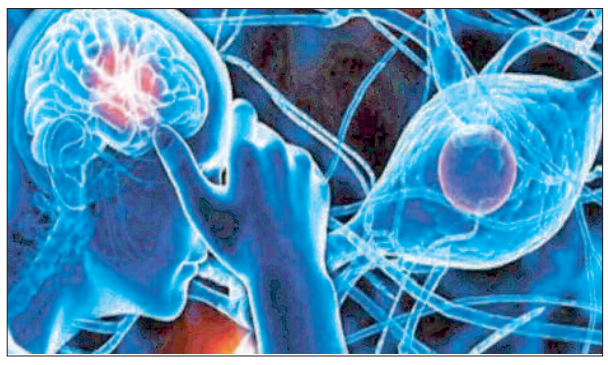
महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गई महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने पुलिस से आरोपी की शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला शनिवार को अपने पति और बच्चों के साथ गौड़ सिटी-2 स्थित एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गई थी। आरोप है कि वहां मौजूद एक आरोपी ने महिला का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। महिला के बच्चों ने आरोपी को वीडियो बनाते हुए देख लिया। इसके बाद महिला के पति ने आरोपी को पकड़ लिया और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस: अस्पतालों में हर महीने पहुंच रहे करीब 150 मरीज

अनप्लग इंडिया



गुरुग्राम। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और बड़े-बड़े अस्पतालों के लिए पहचान रखने वाले गुरुग्राम में आज भी मिर्गी जैसी बीमारी को लेकर लोगों की सोच पूरी तरह नहीं बदली है। किसी व्यक्ति को अचानक दौरा पड़ने पर उसे अस्पताल पहुंचाने के बजाय कई परिवार झाड़-फूंक और अंधविश्वास के रास्ते पर चले जाते हैं। बीमारी को भूत-प्रेत का साया मानने से लेकर इसे छुआछूत से जोड़ने तक की गलत धारणाएं मरीजों के इलाज में बाधा बन रही हैं। चिंताजनक पहलू यह है कि निजी अस्पतालों में एक महीने में करीब 150 मिर्गी के मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, जबकि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में न्यूरो विशेषज्ञ की उपलब्धता अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। 17 नवंबर को राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर विशेषज्ञों ने लोगों से बीमारी को लेकर फैली भ्रांतियां दूर करने और समय पर उपचार शुरू कराने की अपील की है। चिकित्सकों के अनुसार मिर्गी मस्तिष्क में होने वाली असामान्य विद्युत गतिविधियों के कारण होती है। यह न तो छुआछूत की बीमारी है और न ही इसका संबंध किसी ऊपरी साये से है। सही जांच और नियमित दवाओं से अधिकांश मरीजों में दौरे नियंत्रित किए जा सकते हैं। कुछ मरीजों के लिए शल्य चिकित्सा का विकल्प भी उपलब्ध है। आर्टेमिस अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के चेयरपर्सन डॉ. सुमित सिंह के अनुसार मिर्गी के इलाज को लेकर देश में बड़ी कमी है। उनके मुताबिक शहरों में करीब 50 से 70 प्रतिशत मरीज समुचित उपचार नहीं ले पाते, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा लगभग 90 प्रतिशत तक है। कई मरीज चिकित्सक तक नहीं पहुंचते और कुछ को सही विशेषज्ञ की सुविधा नहीं मिल पाती। गुरुग्राम की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में भी इस बीमारी के उपचार को लेकर चुनौती सामने आती है। सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल में न्यूरो विशेषज्ञ की नियमित उपलब्धता नहीं होने के कारण गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं वाले मरीजों को दिल्ली और रोहतक रेफर करना पड़ता है। पूर्व में सामने आई अस्पताल संबंधी जानकारी के अनुसार यहां हर महीने 100 से अधिक न्यूरोलॉजिकल लक्षणों वाले मरीज पहुंचते हैं और हर साल 700 से अधिक मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर किया जाता है। इनमें दौरे, सिरदर्द, हाथ-पैर सुन्न होने और मस्तिष्क संबंधी दूसरी समस्याओं वाले मरीज शामिल हैं। मैरींगो एशिया अस्पताल के चेयरमैन (न्यूरोसाइंसेज) डॉ. प्रवीण गुप्ता के अनुसार चिकित्सा विज्ञान ने काफी प्रगति की है, लेकिन मिर्गी को लेकर सामाजिक सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। दौरा पड़ने पर मरीज की असामान्य गतिविधियों को देखकर लोग घबरा जाते हैं और कई बार अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने पहुंच जाते हैं। इससे सही उपचार शुरू होने में देरी होती है। मिर्गी का असर केवल मरीज की सेहत तक सीमित नहीं रहता। बच्चों में दौरे आने पर अभिभावकों के साथ-साथ स्कूलों में भी कई तरह की आशंकाएं पैदा हो जाती हैं।

कांग्रेस की वोट बचाओ देश बचाओ चौपाल, भाजपा सरकार पर तीखा हमला

अनप्लग इंडिया

नोएडा। हरियाणा के तावडू क्षेत्र में सोमवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से वोट बचाओ देश बचाओअभियान के तहत चौपाल का आयोजन किया गया। युवा नेता शाहीन सैम्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने शिरकत कर वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और कार्यशैली को आड़े हाथों लिया। चौपाल का मुख्य उद्देश्य जनता को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना और संविधान की रक्षा के लिए एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि आज देश का लोकतांत्रिक ढांचा और संविधान गंभीर खतरे में है। सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर आम जनता के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुहिम देश के भविष्य और भाईचारे को सुरक्षित रखने की एक बड़ी लड़ाई है, जिसमें हर नागरिक को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश का युवा, किसान, मजदूर और व्यापारी वर्ग खुद को ठगा महसूस कर रहा है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार बुनियादी मुद्दों का समाधान करने की बजाय जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हर वर्ग के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक पूरी मुखरता से लड़ेगी। एआईसीसी पर्यवेक्षक रोहित चौधरी और रोहतक के विधायक व गुरुग्राम जिला पर्यवेक्षक भारत भूषण बतरा ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर जनता को जागरूक करें और अपने मत की ताकत को पहचानें। ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार एसआईआर जैसे गंभीर मुद्दों पर जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। आयोजक शाहीन सैम्स और ब्लॉक अध्यक्ष रज्जू चेयरमैन ने तावडू क्षेत्र की उपेक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और चुनाव आयोग को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त कर पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

दो लुटेरों को मुठभेड़ में गोली लगी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस और बाइक सवार दो बदमाशों के बीच रविवार की रात मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पैर में गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। एक बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। दोनों बदमाश चेन छीनने की घटनाओं में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने उनके पास से चोरी की एक बाइक बरामद की है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस की टीम रविवार की देर ढकिया बाबा मंदिर गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया गया। उन्होंने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम के पीछा करने पर आगे चलकर बदमाशों की मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। इस दौरान खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा, थाना पाली मुकीमपुर, जिला अलीगढ़ वर्तमान पता हल्दौनी मोड़, कुलेसरा और मोनू निवासी ग्राम घटकना, थाना मौदहा, जिला हमीरपुर वर्तमान पता ग्राम भंगेल, नोएडा के रूप में हुई है। डीसीपी के मुताबिक पकड़े गए दोनों बदमाश चेन झपटमार हैं। दोनों बदमाश चोरी की बाइक से चेन स्नेचिंग की घटनाओं का अंजाम देते थे। बदमाश दीपू पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था पुलिस के मुताबिक पुलिस की सात जून को दीपू और उसके एक साथी के साथ मुठभेड़ हुई थी। पुलिस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बदमाश राजेंद्र को गिरफ्तार किया था, जबकि आरोपी दीपू पुलिस को चकमा देकर भाग गया था। इसके बाद दीपू पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक दीपू के खिलाफ आठ मुकदमे दर्ज हैं। जमानत पर जेल से छूटने के बाद सक्रिय हुआ पुलिस के मुताबिक मोनू लुटेरा है। मोनू के खिलाफ 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस द्वारा पूर्व में मोनू को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसके बाद जमानत पर जेल से छूटने के बाद वह फिर से घटना करने लगा। मोनू अपने साथी के साथ मिलकर राहगीरों से लूटपाट कर रहा था।

सांस ही नहीं, त्वचा पर भी प्रदूषण का हमला

अनप्लग इंडिया



गुरुग्राम। शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण का असर अब केवल सांस और आंखों तक सीमित नहीं रह गया। हवा में घुले धूल, धुएं और प्रदूषण के सूक्ष्म कण त्वचा को भी प्रभावित कर रहे हैं। दिवाली के बाद से प्रदूषण के संपर्क में आने के साथ तापमान में गिरावट और हवा में नमी कम होने से त्वचा संबंधी परेशानियां बढ़ने का खतरा है। त्वचा रोग विशेषज्ञों के पास चेहरे पर जलन, खुजली, लालिमा, रूखापन और छोटे-छोटे दाने जैसी शिकायतें लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। पहले से एलर्जी, एक्जिमा और संवेदनशील त्वचा की समस्या से जूझ रहे लोगों को अधिक परेशानी हो रही है। दिवाली के बाद से सेक्टर 10 नागरिक अस्पताल में रोजाना ऐसे 50 से 60 नए मरीज आ रहे हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नीरज मेहता ने बताया कि प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण त्वचा की बाहरी सुरक्षा परत को प्रभावित कर सकते हैं। ये कण त्वचा पर जमा होने के साथ जलन और सूजन की समस्या बढ़ा सकते हैं। वहीं, सर्दियों में ठंडी और शुष्क हवा त्वचा की प्राकृतिक नमी कम कर देती है। ऐसे में प्रदूषण और ठंड का संयुक्त असर चेहरे पर अधिक दिखाई देने लगता है। कई लोगों को त्वचा में खिंचाव महसूस होने, गालों और नाक के आसपास लालिमा, खुजली और जलन की परेशानी हो सकती है। कुछ लोगों में पहले से मौजूद मुंहासे और त्वचा की एलर्जी भी बढ़ सकती है। दिवाली के बाद बढ़ा प्रदूषण, त्वचा पर दिखने लगा असर: दिवाली के बाद हवा में धूल और धुएं के कणों की मौजूदगी बढ़ने के साथ त्वचा के संपर्क में आने वाले प्रदूषकों की मात्रा भी बढ़ सकती है। सुबह घर से बाहर निकलने, सड़कों पर वाहन चलाने, निर्माण स्थलों के आसपास रहने और खुले में काम करने वाले लोग लंबे समय तक इन कणों के संपर्क में रहते हैं। चेहरे पर जमा प्रदूषण के कण त्वचा में जलन और संवेदनशीलता बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी की समस्या है, उन्हें खुजली और लाल चकत्तों की शिकायत हो सकती है। वहीं, ठंड में त्वचा की नमी कम होने से चेहरा रूखा पड़ने और त्वचा फटने की समस्या भी सामने आती है। डॉक्टर ने बताया कि प्रदूषण और सर्दी के संयुक्त प्रभाव से त्वचा पर अलग-अलग तरह की समस्याएं हो रही हैं। कुछ लोगों को चेहरे पर हल्की जलन और चुभन महसूस होती है, जबकि कुछ में गालों, माथे और नाक के आसपास लालिमा दिखाई देती है। त्वचा अधिक रूखी होने पर खुजली और पपड़ी जमने की समस्या भी हो सकती है। पहले से एक्जिमा से पीड़ित मरीजों में सूजन और खुजली बढ़ सकती है। इसके अलावा संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को सामान्य क्रीम और साबुन के इस्तेमाल से भी जलन महसूस हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, त्वचा पर लगातार जलन, सूजन या चकत्ते बने रहने पर खुद से दवा लगाने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है। सुबह-शाम बाहर निकलने वालों की त्वचा पर अधिक असर: गुरुग्राम में सुबह की सैर करने वाले, दोपहिया वाहन चालकों, निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिकों और लंबे समय तक बाहर रहने वाले लोगों की त्वचा प्रदूषण के सीधे संपर्क में आती है। सर्दियों में सुबह और शाम की ठंडी हवा त्वचा की नमी को और कम कर सकती है। ऐसे में चेहरे को खुला रखकर लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने से बचना चाहिए। बाहर से घर लौटने पर चेहरे को सामान्य पानी और हल्के क्लींजर से साफ करना चाहिए। इसके बाद त्वचा के अनुसार मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है। बार-बार गर्म पानी से चेहरा धोने और तेज रसायनों वाले साबुन का इस्तेमाल करने से रूखापन बढ़ सकता है।

ग्रैप के नियमों की जिम्मेदार अधिकारी खुद कर रहे हैं अवहेलना

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। शहर में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर प्रशासनिक अधिकारी जरा भी गंभीर नहीं है। जिन अधिकारियों को ग्रैप के नियमों को पालन करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है वह अधिकारी खुद नियमों की अवहेलना करने में लगे हुए हैं। वहीं जिला उपायुक्त कार्यालय में भी दोपहर में झाड़ू लगाकर पूरे परिसर को धूल में भर दिया। जिला उपायुक्त कार्यालय में भी बिना पानी छिड़काव के परिसर में झाड़ू निकाली जा रही है। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारी ग्रैप के नियमों और सीएक्यूएम के आदेशों का सख्ती से पालन नहीं कर रहे हैं। यहीं कारण है कि शहर में बीते एक माह से लगातार हवा प्रदूषित बनी हुई है। प्रशासनिक अधिकारियों की यह लापरवाही शहर के लोगों की सांसो में जहर घोलने का काम कर रही है। बता दें कि दिल्ली एनसीआर सहित मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर सीएक्यूएम की तरफ से ग्रैप दो की पाबंदिया लगाई हुई है। ग्रैप के दो की पाबंदियों में खुले में कूड़ा जलाने, निर्माण कार्य बंद करने, खुले में कोयला और लकड़ी जलाने पर सहित कई प्रकार की पाबंदिया लगी हुई, लेकिन इसके बाद भी शहर में लोग खुले में ग्रैप के नियमों की धज्जियां उड़ाने में लगे हुए हैं। शहर में निर्माण सामग्री के खुले में पड़े होने, सड़कों पर उड़ती धूल और होटलों-ढाबों में धड़ल्ले से जल रहे तंदूरों के कारण प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्थिति में पहुंच रहा है। ग्रैप पाबंदियों के तहत शहर में किसी भी प्रकार के अनियंत्रित निर्माण कार्यों पर रोक है, इसके अलावा, शहर के द्वारका एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पूरी तरह से मिट्टी से अटी पड़ी है। यहां से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण हर समय धूल के गुबार उड़ते रहते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना दूभर हो गया है। एक्सप्रेसवे से सराय की तरफ जाने वाले मार्ग पर भी भारी मात्रा में निर्माण सामग्री खुले में पड़ी है, लेकिन नगर निगम या अन्य संबंधित विभाग इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रशासन के कड़े दावों के उलट शहर के तमाम बाजारों और खानपान के ठिकानों पर नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कोयला जलाने पर पूरी तरह रोक होने के बावजूद रेलवे रोड, सेक्टर-14 मार्केट, राजेंद्रा पार्क, चौमा रोड, न्यू कॉलोनी मार्केट, सेक्टर-29 मार्केट और सदर बाजार सहित सैकड़ों जगहों पर शाम ढलते ही तंदूर जलने शुरू हो जाते हैं। स्थिति यह है कि पॉश माने जाने वाले सिविल लाइंस एरिया में भी स्थित होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में खुलेआम तंदूरों में कोयला जलाया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों की इसी लचर कार्यशैली और उदासीनता के कारण शहर में प्रदूषण का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां नियमों की अनदेखी से प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ नगर निगम ने प्रदूषण से निपटने के लिए अपने बेड़े को मजबूत करने का दावा किया है। निगम के बेड़े में नौ नई एंटी स्मॉग गन मशीनें शामिल की गई हैं।

रात में टहलने निकले दो दोस्तों पर फायरिंग

अनप्लग इंडिया



नोएडा। सेक्टर-122 में शनिवार रात टहलने निकले दो दोस्तों पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने तीन लोगों पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने का आरोप लगाया है। हमले के दौरान दोनों दोस्तों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-113 थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-122 के पर्थला निवासी सोनू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे अपने दोस्त सुमित के साथ टहलने के लिए निकले थे। दोनों जनता फ्लैट सेक्टर-122 के गेट नंबर दो पर पहुंचे। वहां पहले से मौजूद राहुल उर्फ पप्पू राजपूत, अभिषेक शर्मा उर्फ अभी और उनके अन्य साथियों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद आरोपियों ने दोनों को निशाना बनाते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से दोनों दोस्त घबरा गए। गोली लगने के डर से दोनों मौके से भाग निकले। आसपास अफरातफरी मच गई।पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से हमला किया था। उन्होंने पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 पर कॉल कर घटना की सूचना दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में राहुल उर्फ पप्पू राजपूत और अभिषेक शर्मा उर्फ अभी को नामजद करते हुए अन्य अज्ञात साथियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सेक्टर-113 थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। हमले के पीछे की वजह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल फायरिंग में किसी के घायल होने की जानकारी शिकायत में नहीं दी गई है।

पढ़ाई के साथ सेहत भी संवारेंगे गुरुग्राम के विद्यार्थी, दसवीं तक लागू होगा योग

अनप्लग इंडिया



गुरुग्राम। स्कूलों में अब तक योग को सुबह की प्रार्थना सभा, विशेष आयोजनों और कभी-कभार होने वाली गतिविधियों तक सीमित रखा जाता रहा है, लेकिन आने वाले समय में यह तस्वीर बदल सकती है। पढ़ाई, परीक्षा और बेहतर अंक हासिल करने की दौड़ के बीच विद्यार्थियों की सेहत और मानसिक स्वास्थ्य भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में योग को बाकायदा विषय के रूप में पढ़ाने की तैयारी की जा रही है। हरियाणा में नए शैक्षणिक सत्र अप्रैल 2027 से दसवीं कक्षा तक योग पाठ्यक्रम लागू करने की योजना है। इसका असर गुरुग्राम के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर भी पड़ेगा। अब बच्चों को केवल योग के आसनों की जानकारी ही नहीं दी जाएगी, बल्कि उनके महत्व, सही तरीके और नियमित अभ्यास की सीख भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी। इसके लिए प्रदेशभर में करीब 10,500 शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की तैयारी है। शिक्षकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण जिले में भी इस योजना को लेकर शिक्षकों को तैयार किया जा रहा है। गुरुग्राम के सरकारी प्राथमिक स्कूलों से एक-एक शिक्षक को सात दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल करने की व्यवस्था बनाई गई हौ। वहीं शारीरिक शिक्षा से जुड़े शिक्षकों के लिए 30 दिवसीय प्रशिक्षण दो चरणों में निर्धारित किया गया। इस प्रशिक्षण में केवल सामान्य योगासन ही नहीं, बल्कि षट्कर्म, सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम, ध्यान, हठयोग और योग के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी भी दी जाएगी। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी के निर्देशन में योग विशेषज्ञ डॉ. भूदेव और योग सहायकों की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण हासिल करने वाले शिक्षक आगे विद्यार्थियों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यार्थियों को होंगे स्वास्थ्य संबंधी लाभ गुरुग्राम के स्कूलों में इस पहल का असर उन विद्यार्थियों पर भी पड़ सकता है जिनकी दिनचर्या लंबे समय तक कक्षा में बैठकर पढ़ने, मोबाइल और कंप्यूटर पर समय बिताने तथा परीक्षा की तैयारी में गुजरती है। नियमित योगाभ्यास से बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखने, शरीर का संतुलन और लचीलापन बेहतर करने में मदद मिल सकती है। वहीं प्राणायाम और ध्यान के अभ्यास से एकाग्रता, आत्मनियंत्रण और तनाव से निपटने की क्षमता विकसित करने में सहायता मिल सकती है। पाठ्यक्रम में अभ्यास और सैद्धांतिक जानकारी खास बात यह होगी कि योग केवल सुबह की प्रार्थना सभा में कुछ आसन कराने तक सीमित नहीं रहेगा। यदि इसे व्यवस्थित पाठ्यक्रम के रूप में लागू किया जाता है तो विद्यार्थियों को अलग-अलग आसनों का उद्देश्य, उन्हें करने का सही तरीका, सावधानियां और शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी भी मिलेगी। इससे बच्चों में कम उम्र से ही नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आदत विकसित की जा सकेगी। इस योजना को स्कूलों में प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण होगा। गुरुग्राम में भी प्राथमिक और शारीरिक शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था इसी उद्देश्य से की जा रही है। प्रशिक्षित शिक्षक विद्यार्थियों की उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार योगाभ्यास करा सकेंगे। इससे छोटे बच्चों को सरल आसनों और श्वसन अभ्यास से जोड़ने के साथ बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को ध्यान और प्राणायाम की जानकारी देना आसान होगा।

संपादकीय

नोटबंदी के दस साल : जनता को आखिर क्या मिला ?

पीछे मुड़कर देखें तो क्या यह ऐसा प्रकरण है जिस पर भारत को गर्व होना चाहिए? इसमें गर्व करने का कोई खास कारण नहीं है। जनता के भरोसे को तोड़कर ऐसी उथल-पुथल मचाई गई जिसकी पूरी लागत का अभी तक हिसाब नहीं लगाया जा सका है और जिसमें जिन लाभों का वादा किया गया था उनका कभी भी ठोस लेखा-जोखा नहीं किया गया। भारतीयों ने अपनी आजीविका फिर से खड़ी की और आगे बढ़े।



दस साल पहले नागरिकों से कहा गया था कि वे अपने ही पैसों का इस्तेमाल करना बंद कर दें; और इसके लिए उन्हें सिर्फ चार घंटे का नोटिस दिया गया था। यह एक चौंकाने और हैरान कर देने वाला कदम था। 8 नवंबर, 2016 की रात 8 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टेलीविजन पर घोषणा की कि आधी रात से 500 और 1,000 रुपये के मौजूदा नोट कानूनी रूप से अमान्य हो जाएंगे। ये नोट उस समय चलन में मौजूद कुल करेंसी का लगभग 86 प्रतिशत थे। लोग इन्हें बैंकों में जमा तो कर सकते थे लेकिन बदले में मिलने वाले नए नोट बहुत कम थे। पूरी व्यवस्था इसके लिए तैयार नहीं थी। एटीएम मशीनों को अभी नए नोटों के हिसाब से रीकैलिब्रेट (सेट) किया जाना बाकी था। परेशानियां तुरंत शुरू हो गईं। बैंकों के बाहर लंबी कतारें लग गईं, पैसे निकालने की सख्त सीमाएं तय कर दी गईं और नोटों की भारी किल्लत हो गई। बैंकों के बाहर इंतजार करने के कारण मजदूरों को अपनी दिहाड़ी गंवानी पड़ी। छोटे कारोबारियों के लिए अपने सप्लायरों और कर्मचारियों को भुगतान करना मुश्किल हो गया। किसानों को खेती के जरूरी सामान और मजदूरों की मजदूरी चुकाने के लिए नकद पैसों की जरूरत थी। फिर भी, इतनी तकलीफें झेलने के बावजूद कई लोगों ने इस कदम का समर्थन किया। उन्हें लगा कि कहीं न कहीं टैक्स चोरी करने वाले अमीर लोगों को इससे कहीं ज्यादा नुकसान हो रहा होगा। प्रधानमंत्री के फैसले पर जनता का भरोसा बहुत ज्यादा था। दस साल बीत जाने के बाद भी हमारे पास इस बात का कोई ईमानदार हिसाब-किताब नहीं है कि लोगों के इस त्याग से आखिर हासिल क्या हुआ? शुरुआती घोषणा में काले धन, भ्रष्टाचार, जाली मुद्रा और आतंकवाद को मुख्य लक्ष्य बताया गया था। बाद में इसके उद्देश्य बदल कर बेहतर टैक्स अनुपालन, अर्थव्यवस्था के औपचारिकीकरण और डिजिटल भुगतान की ओर मुड़ गए। उद्देश्यों की इस बदलती और बढ़ती सूची ने यह दावा करना आसान बना दिया कि लक्ष्य हासिल कर लिए गए हैं जबकि यह कभी स्पष्ट नहीं हुआ कि शुरुआती वादे पूरे हुए भी थे या नहीं? सबसे बड़ी उम्मीद यह थी कि भारी मात्रा में जमा अवैध नकदी बेकार हो जाएगी क्योंकि उसके मालिक उसे बैंक में जमा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाएंगे। अगस्त, 2018 में रिजर्व बैंक के अंतिम आंकड़ों से पता चला कि चलन से बाहर की गई 99.3 प्रतिशत मुद्रा बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गई थी। 1 जुलाई 2017 को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की संस्था के स्थापना दिवस पर संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने एक तीखा सवाल पूछा था कि, 'नोटबंदी के बाद उनकी कड़ी मेहनत से देश को फायदा हुआ या उनके क्लाइंट्स को?' इससे एक सवाल उठता है: अगर बिना हिसाब-किताब वाली नकदी रखने वाले लोग पाबंदियों से बचने के लिए बीच-बीच में बिचौलियों का सहारा ले सकते थे,

अक्षय नवमी : आस्था, प्रकृति और अक्षय पुण्य का पर्व



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक नई दिल्ली



भारतीय संस्कृति में पर्व और त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे जीवन को बेहतर बनाने, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और समाज में सद्भाव स्थापित करने के माध्यम भी हैं। हमारी परंपराओं में ऐसे अनेक पर्व हैं, जिनके भीतर प्रकृति संरक्षण, स्वास्थ्य, सेवा, दान और मानवीय संवेदनाओं का गहरा संदेश छिपा हुआ है। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाया जाने वाला अक्षय नवमी का पर्व भी इसी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इसे आँवला नवमी और धात्री नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस वर्ष 18 नवंबर 2026, बुधवार को अक्षय नवमी मनाई जाएगी।

अक्षय शब्द का अर्थ है जिसका कभी क्षय न हो, जो नष्ट न हो अथवा जिसका प्रभाव समाप्त न हो। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन किए गए स्नान, ध्यान, जप, तप, पूजा, दान और पुण्य कर्मों का फल अक्षय होता है। यही कारण है कि भारतीय धार्मिक परंपरा में इस तिथि को विशेष महत्व दिया गया है। जिस प्रकार अक्षय तृतीया को शुभ कार्यों और दान-पुण्य के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है, उसी प्रकार कार्तिक शुक्ल नवमी भी धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस तिथि का संबंध सत्ययुग के आरंभ से भी जोड़ा जाता है। इसलिए इसे सत्ययुगादि नवमी भी कहा जाता है।

अक्षय नवमी का सबसे प्रमुख आकर्षण आँवले के वृक्ष की पूजा है। इस दिन श्रद्धालु प्रातःकाल स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करते हैं और भगवान विष्णु तथा माता लक्ष्मी का स्मरण करते हुए आँवले के वृक्ष की पूजा करते हैं। वृक्ष की जड़ में जल अर्पित किया जाता है। रोली, अक्षत, पुष्प, धूप और दीप से पूजन किया जाता है। कई स्थानों पर वृक्ष के तने पर कच्चा सूत या रक्षा सूत्र लपेटकर उसकी परिक्रमा करने की परंपरा है। महिलाएँ परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की मंगलकामना और घर में सुख-शांति के लिए प्रार्थना करती हैं।

धार्मिक मान्यता है कि आँवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का निवास होता है। इसलिए इस दिन आँवले के वृक्ष की पूजा करना भगवान विष्णु की आराधना के समान माना गया है। आँवले को भगवान विष्णु का प्रिय फल भी कहा जाता है। यह मान्यता केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय जीवन में वृक्षों के प्रति सम्मान और उनके संरक्षण की भावना को भी प्रकट करती है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के विभिन्न रूपों को धार्मिक आस्था से जोड़कर उनके संरक्षण का सुंदर मार्ग विकसित किया था। पीपल, बरगद, तुलसी, नीम और आँवले जैसे वृक्षों की पूजा इसी परंपरा का हिस्सा है।

अक्षय नवमी के दिन आँवले के वृक्ष के नीचे भोजन बनाने और परिवार तथा परिचितों के साथ बैठकर भोजन करने की भी विशेष परंपरा है। कई स्थानों पर महिलाएँ वृक्ष के नीचे भोजन तैयार करती हैं और भगवान को भोग लगाने के बाद परिवार के सदस्यों तथा जरूरतमंद लोगों को भोजन कराती हैं। इस परंपरा में केवल धार्मिक भावना ही नहीं, बल्कि सामूहिकता, अपनापन और प्रकृति के सान्निध्य में जीवन बिताने का संदेश भी निहित है। आज जब मनुष्य अपने व्यस्त जीवन में प्रकृति से लगातार दूर होता जा रहा है, तब इस तरह की परंपराएँ हमें पेड़-पौधों और प्राकृतिक वातावरण के महत्व का स्मरण कराती हैं।

आँवला भारतीय आयुर्वेद की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसे औषधीय गुणों से भरपूर फल माना गया है। इसमें विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में सहायक है। आँवले का उपयोग अनेक पारंपरिक औषधियों, चूर्ण, मुरब्बे, अचार और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जाता है। भारतीय घरों में प्राचीन काल से ही आँवले को स्वास्थ्य और आरोग्य का आधार माना जाता रहा है। इस प्रकार अक्षय नवमी का पर्व धार्मिक विश्वास के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता का संदेश भी देता है।

इस पर्व से जुड़ी अनेक लोककथाएँ प्रचलित हैं। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार एक निर्धन वैश्य परिवार में रहने वाली महिला भगवान विष्णु की अनन्य भक्त थी। वह धार्मिक कार्यों और दान-पुण्य में विश्वास रखती थी। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के बावजूद उसके मन में सेवा और भक्ति का भाव था। उसने अक्षय नवमी के दिन आँवले के वृक्ष की पूजा की और श्रद्धापूर्वक दान-पुण्य किया। उसकी निष्ठा और श्रद्धा से प्रसन्न होकर भगवान ने उसके जीवन में सुख-समृद्धि प्रदान की। इस कथा का मूल संदेश यही है कि सच्ची श्रद्धा और परोपकार की भावना के सामने धन-संपत्ति का महत्व गौण हो जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में इस पर्व से संबंधित कथाओं और पूजा की विधियों में भिन्नता भी देखने को मिलती है।

अक्षय नवमी के दिन दान-पुण्य का विशेष महत्व है। धार्मिक परंपरा के अनुसार इस दिन अन्न, वस्त्र, फल और आवश्यक वस्तुओं का दान करना शुभ माना जाता है। भूखे को भोजन कराना, असहाय व्यक्ति की सहायता करना, निर्धन परिवार के बच्चों की शिक्षा में सहयोग देना और किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना भी पुण्य का कार्य है। वास्तव में दान का महत्व उसकी मात्रा में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी संवेदना और निस्वार्थ भावना में होता है। यदि किसी व्यक्ति की छोटी-सी सहायता से दूसरे का जीवन थोड़ा आसान हो जाए तो उससे बड़ा पुण्य क्या हो सकता है?

आज के समय में अक्षय नवमी का महत्व और भी बढ़ जाता है। पर्यावरण प्रदूषण, वृक्षों की कटाई, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन ने मानव जीवन के सामने गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। ऐसे समय में आँवले के वृक्ष की पूजा हमें प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराती है। केवल एक दिन वृक्ष की पूजा कर लेना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक पूजा तब होगी जब हम वृक्षों को बचाएँगे, नए पौधे लगाएंगे, उनका संरक्षण करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण छोड़ने का प्रयास करेंगे।

हमारी संस्कृति में प्रकृति को माता का स्थान दिया गया है। नदियों को जीवनदायिनी माना गया है, पर्वतों को देवस्वरूप स्वीकार किया गया है और वृक्षों को पूजनीय माना गया है। इसके पीछे केवल धार्मिक कल्पना नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच गहरे संबंध की समझ भी रही है। मनुष्य का अस्तित्व जल, वायु, भूमि और वनस्पतियों पर निर्भर है। इसलिए प्रकृति के प्रति सम्मान वास्तव में अपने जीवन के प्रति सम्मान है।

अक्षय नवमी हमें यह भी सिखाती है कि जीवन में वही कार्य स्थायी महत्व रखते हैं, जिनसे किसी दूसरे का कल्याण होता है। धन-संपत्ति, पद और प्रतिष्ठा समय के साथ समाप्त हो सकते हैं, लेकिन प्रेम, करुणा, सेवा और सद्भाव के संस्कार पीढ़ियों तक जीवित रहते हैं। किसी जरूरतमंद की सहायता, किसी निराश व्यक्ति को दिया गया भरोसा और किसी भूखे को कराया गया भोजन ऐसी पूँजी है, जिसका मूल्य कभी कम नहीं होता।

आज आवश्यकता है कि हम अपने पर्वों को केवल परंपरा निभाने का माध्यम न समझें, बल्कि उनके भीतर छिपे जीवनोपयोगी संदेशों को भी आत्मसात करें। अक्षय नवमी पर आँवले के वृक्ष की पूजा के साथ एक पौधा लगाने, जल बचाने, जरूरतमंदों को भोजन कराने और समाज में प्रेम तथा सहयोग की भावना बढ़ाने का संकल्प लिया जा सकता है।

अंततः अक्षय नवमी हमें याद दिलाती है कि संसार में सबसे मूल्यवान वही है, जो बाँटने से बढ़ता है। प्रेम बाँटने से कम नहीं होता, ज्ञान बाँटने से घटता नहीं और सेवा करने से मनुष्य की गरिमा कम नहीं होती। यही इस पर्व का वास्तविक दर्शन है। यदि हम अपने जीवन में परोपकार, प्रकृति संरक्षण और मानवीय संवेदनाओं को स्थान दे सकें, तो अक्षय नवमी की सार्थकता केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगी। हमारे अच्छे कर्म ही हमारी ऐसी विरासत बनेंगे, जो समय के साथ कभी क्षीण नहीं होगी।

ट्रंप और नेतन्याहू दोनों को मिली है शर्मिंदगी, अब कर रहे विकल्पों की तलाश

असद मिर्ज़ा

किसी भी नए टकराव में इज़रायल और ईरान से कहीं अधिक देश शामिल हो सकते हैं। एनपीआर ने रिपोर्ट किया कि ईरानी अधिकारियों ने संघर्ष में शामिल देशों में अमेरिकी हितों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस तरह की धमकियों से अमेरिकी सेनाओं की मेजबानी करने वाले खाड़ी देशों के साथ-साथ वाणिज्यिक जहाजरानी और ऊर्जा बुनियादी ढांचे की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।

न्यूयॉर्क में इज़रायली और अमेरिकी नेताओं के बयानों से संकेत मिलता है कि वे अपनी तैयारियों और प्रतिरोध क्षमता पर जोर दे रहे हैं, न कि ईरान पर हमले के किसी सार्वजनिक फैसले पर। इन बातों को एक साथ देखें तो पता चलता है कि सैन्य तैयारी, कूटनीतिक दबाव और क्षेत्रीय जोखिम का एक जटिल मिश्रण बन रहा है। इसके परिणाम मध्य पूर्व से आगे बढ़कर ऊर्जा सुरक्षा, शिपिंग और भारत के रणनीतिक संतुलन तक असर डाल सकते हैं। ईरान के साथ संभावित नए युद्ध के लिए इज़रायल और अमेरिका की तैयारियां तेज हो रही हैं। खबरों के अनुसार, बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल के दिनों में डोनाल्ड ट्रंप को रोज फोन कर के ईरान पर फिर से हमले करने का आग्रह किया है, जबकि वाशिंगटन अभी कूटनीति और दबाव बनाने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। न्यूयॉर्क में 'इज़राइल हायोम समिट' में दिए गए बयानों से तैयारियों का पता तो चलता है, लेकिन इससे किसी तुरंत होने वाले हमले की पुष्टि नहीं होती। 'इज़राइल हायोम समिट' एक अखबार द्वारा आयोजित सम्मेलन है, न कि कोई सरकारी या सैन्य योजना मंच। इसका दूसरा न्यूयॉर्क संस्करण 11 नवंबर को मैनहट्टन में आयोजित किया गया था, जिसमें इज़राइल और अमेरिका के राजनीतिक, सुरक्षा और सामाजिक क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। यहां द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति पर चर्चा की गई। 'इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज' के अध्यक्ष बोआज़लेवी ने 'इज़राइल हायोम' अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अपनी राय रखी। यह उनका अपना आकलन है, न कि इज़रायल सरकार का कोई आधिकारिक फैसला कि वे फिर से युद्ध शुरू करने जा रहे हैं। 'द टाइम्स ऑफ इज़राइल' और 'एक्सिओस' ने अलग-अलग रिपोर्ट दी है कि नेतन्याहू ने हाल ही में ट्रंप को फोन करके ईरान पर जल्द हमला करने का दबाव डाला है। इन रिपोर्टों में इज़रायली और अमेरिकी सूत्रों का हवाला दिया गया है।

इस बीच, 'इज़रायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज' के अध्यक्ष बोआज़लेवी ने 11 नवंबर को 'इज़राइल हायोम समिट' में कहा कि इज़राइल को ईरान के साथ एक और युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सवाल यह नहीं है कि 'क्या' युद्ध होगा, बल्कि यह है कि 'कबज्ज़् होगा। लेवी ने ईरानी हमलों के खिलाफ 'ऐरो' मिसाइल-डिफेंस सिस्टम के प्रदर्शन का जिक्र किया और दावा किया कि इसने 92 प्रतिशत हमलों को सफलतापूर्वक रोका। उन्होंने बताया कि इज़रायल और अमेरिका अब इंटरसेप्टर मिसाइलों का उत्पादन बढ़ा रहे हैं और अधिक ऊंचाई पर हमलों को रोकने की क्षमता विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेवी ने एक इज़रायली उपग्रह क ा उदाहरण भी दिया, जो एक फाइटर पायलट को रियल-टाइम में दिशा-निर्देश दे रहा था। इससे पता चलता है कि सैन्य अभियानों में अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियों का महत्व लगातार



बढ़ रहा है। उनकी टिप्पणियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन ये रक्षा-उद्योग के एक नेता की बातें हैं, न कि इज़रायली सरकार की ओर से किसी हमले की योजना की आधिकारिक घोषणा।

उसी शिखर सम्मेलन में अमेरिकी पक्ष की टिप्पणियां अधिक राजनीतिक थीं। 'इज़रायल हायोम' की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज़ ने ईरान की सत्ता को पहले से कहीं अधिक कमज़ोर बताया और कहा कि 'अब्राहम समझौते' का विस्तार हो रहा है। सितंबर में 'अल-मॉनिटर' को दिए एक अलग साक्षात्कार में, वाल्ट्ज़ ने कहा कि ईरान के लिए बातचीत में लौटने के रास्ते अभी भी खुले हैं और तर्क दिया कि समय वाशिंगटन के पक्ष में है। कुल मिलाकर, ये टिप्पणियां दबाव और कूटनीति को एक साथ चलने वाली रणनीतियों के रूप में पेश करती हैं परन्तु इनका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ने कोई नया हमला करने की सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्धता जताई है।

सैन्य तैयारियों की खबरों के बीच, इन दोनों बातों के बीच का अंतर महत्वपूर्ण है। अक्टूबर में एनपीआर ने अमेरिका-इज़रायल युद्ध योजना की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि दोनों देश अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद एक संभावित हमले की तैयारी कर रहे थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सैन्य ताक़त बढ़ाने का मकसद तेहरान पर किसी समझौते के लिए दबाव डालना हो सकता है। यह दावा एक अज्ञात सूत्र की ओर से आया था, न कि किसी आधिकारिक नीति के रूप में घोषित किया गया था। लेवी की टिप्पणियां दीर्घकालिक तैयारियों की ओर इशारा करती हैं, लेकिन इनसे किसी आसन्न सैन्य अभियान की पुष्टि नहीं होती और न ही इसके उद्देश्यों का पता चलता है।

क्षेत्रीय स्तर पर इसका पहला असर यह है कि मिसाइल रक्षा को एक अस्थायी प्रतिक्रिया के बजाय एक स्थायी ज़रूरत के रूप में देखा जा रहा है। लेवी द्वारा इंटरसेप्टर (मिसाइल रोकने वाले हथियार) के उत्पादन और अपग्रेड का ज़िक्र यह बताता है कि इज़रायल को उम्मीद है कि ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल दागने की क्षमता भविष्य की सुरक्षा योजनाओं का एक मुख्य हिस्सा बनी रहेगी। मिसाइलों को रोकने की बेहतर क्षमता, हमले से होने वाले संभावित नुकसान को कम करके, ईरान को हमले से रोकने में मदद कर सकती है।

इससे भी बड़ा ख़तरा एक 'सुरक्षा दुविधा' का है। इज़रायल जिन तैयारियों को रक्षात्मक बताता है–जैसे कि ज़्यादा इंटरसेप्टर, बेहतर सेंसर और अंतरिक्ष-आधारित समन्वय–उन्हें तेहरान में एक नए हमले की तैयारी के रूप में देखा जा सकता है। ऐसे में, ईरान भी अपनी सैन्य तैयारियों के ज़रिए या क्षेत्रीय शिपिंग और बुनियादी ढांचे पर दबाव डालकर, इज़रायल को रोकने की अपनी क्षमता को फिर से बहाल करने की कोशिश कर सकता है। इसका नतीजा एक ऐसे चक्र के रूप में निकल सकता है, जहां दोनों पक्ष यह दावा करें कि वे अगले हमले को रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि असल में वे दूसरे पक्ष के मन में यह डर और बढ़ा रहे हैं कि उन पर पहले हमला हो सकता है।

वाल्ट्ज़ की यह टिप्पणी कि ईरान कमज़ोर हो गया है, एक जोखिम भी पैदा कर सकती है–अगर इसे इस सुबूत के तौर पर देखा जाए कि दबाव काम कर रहा है और इसे और तेज़ किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, बातचीत के लिए दिखाई गई तत्परता कूटनीति की गुंजाइश बनाए रखती है। रणनीतिक विकल्प केवल 'हमला या बातचीत' तक सीमित नहीं हैं: सैन्य तैयारी बातचीत को मज़बूत कर सकती है, लेकिन अगर नेता सार्वजनिक रूप से यह कहें कि युद्ध होना तय है, तो इससे समझौते की संभावना कम हो सकती है।

किसी भी नए टकराव में इज़रायल और ईरान से कहीं अधिक देश शामिल हो सकते हैं। एनपीआर ने रिपोर्ट किया कि ईरानी अधिकारियों ने संघर्ष में शामिल देशों में अमेरिकी हितों और बुनियादी ढांचे के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। इस तरह की धमकियों से अमेरिकी सेनाओं की मेजबानी करने वाले खाड़ी देशों के साथ-साथ वाणिज्यिक जहाजरानी और ऊर्जा बुनियादी ढांचे की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है।

शिखर सम्मेलन में अमेरिकी गोल्डन डोम पहल पर हुई चर्चा ने इजरायली प्रणालियों को मिसाइल रक्षा सहयोग के व्यापक दायरे में ला खड़ा किया है, हालांकि लेवी के बयानों से किसी विशिष्ट समझौते या तैनाती की पुष्टि नहीं होती। शिखर सम्मेलन में प्रस्तुत अमेरिकी संदेशों से नीतिगत तनाव स्पष्ट होता है। भारत के लिए सबसे तात्कालिक चिंता बयानबाजी नहीं बल्कि नए सिरे से अशांति पैदा होने का खतरा है। भारत ऊर्जा का एक बड़ा आयातक है। खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति और 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' (होर्मुज जलडमरूमध्य) पर निर्भरता के कारण, वहां पैदा होने वाली अस्थिरता का भारत की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ सकता है। इसलिए, न्यूयॉर्क में दिए गए बयानों का सबसे सटीक अर्थ यह है कि भारत को भविष्य के लिए तैयार रहना चाहिए और रणनीतिक संदेश देने चाहिए। ट्रम्प और नेतन्याहू के रुख से तनाव कम होगा या संघर्ष और बढ़ेगा, यह उन फैसलों पर निर्भर करेगा जिनका खुलासा शिखर सम्मेलन में नहीं किया गया है।

सैनिक की वर्दी उतरती है लेकिन राष्ट्रसेवा का संकल्प कभी समाप्त नहीं होता

कांतिलाल मांडोत

सैनिक किसी देश की सीमाओं पर खड़ी केवल एक सुरक्षा दीवार नहीं होता, बल्कि वह राष्ट्र के आत्मसम्मान, संप्रभुता और स्वाभिमान का जीवंत प्रतीक होता है। उसके जीवन का प्रत्येक क्षण कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण की भावना से जुड़ा होता है। जब देश का नागरिक अपने घर में परिवार के साथ सुखपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहा होता है, तब सैनिक बर्फीली चोटियों, तपते रेगिस्तान, घने जंगलों और दुर्गम सीमाओं पर चौकसी कर रहा होता है। उसके लिए मौसम की कठिनाइयां, परिवार से दूरी और जीवन की चुनौतियां कभी कर्तव्य से बड़ी नहीं होतीं। सैनिक का सबसे बड़ा धर्म मातृभूमि की रक्षा है। इसी भावना के कारण भारतीय सेना विश्व में अपने साहस, शौर्य और अनुशासन के लिए विशेष पहचान रखती है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में वीरांगनाओं, पूर्व सैनिकों और सैन्य परिवारों का सम्मान करते हुए एक महत्वपूर्ण संदेश दिया कि सैनिक वर्दी उतार सकता है, लेकिन राष्ट्रसेवा का संकल्प कभी नहीं छोड़ता। यह कथन केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि भारतीय सैनिक के जीवन दर्शन की वास्तविक अभिव्यक्ति है। सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद भी सैनिक के भीतर देश के प्रति वही समर्पण और जिम्मेदारी बनी रहती है। उसके अनुभव, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता समाज के लिए बड़ी पूंजी होते हैं। वह अपने जीवन के अनुभवों से नई पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और अनुशासन का पाठ पढ़ा सकता है।

सैनिकों के जीवन में जितना महत्वपूर्ण उनका अपना त्याग है, उतना ही महत्वपूर्ण उनके परिवारों का योगदान भी है। जब कोई जवान सीमा पर तैनात होता है, तब उसके परिवार को अनेक जिम्मेदारियां अकेले निभानी पड़ती हैं। त्योहार हों, पारिवारिक समारोह हों या जीवन के कठिन अवसर, सैनिक की अनुपस्थिति परिवार को महसूस होती है। उसकी माता-पिता की आंखें बेटे की प्रतीक्षा करती हैं, पत्नी अपने जीवनसाथी की सुरक्षित वापसी की कामना करती है और बच्चे अपने पिता के साथ समय बिताने के अवसर तलाशते हैं। इसके बावजूद परिवार अपने सैनिक के कर्तव्य को सर्वोपरि मानता है। इसलिए वीरांगनाओं और सैन्य परिवारों का सम्मान करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके त्याग के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता प्रकट करना है।

देश के इतिहास में ऐसे असंख्य उदाहरण हैं, जब सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। शहीदों के बलिदान से ही आज हमारी स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा सुरक्षित है। उनके परिवारों को सम्मान, सहयोग और सामाजिक प्रतिष्ठा मिलना आवश्यक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि शहीद परिवारों के पुनर्वास, बच्चों की शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन के लिए प्रभावी व्यवस्था करे। समाज का भी दायित्व है कि शहीद परिवारों को केवल राष्ट्रीय पर्वों पर याद करने के बजाय उनके साथ निरंतर खड़ा रहे।

भारत की सैन्य परंपरा अत्यंत गौरवशाली रही है। देश के अलग-अलग राज्यों और गांवों ने ऐसे वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने अपने अदम्य साहस से इतिहास रचा है। उत्तर प्रदेश को वीरों की भूमि कहा जाता है। यहां लगभग 20 लाख सैनिकों का विशाल परिवार होना इस प्रदेश की सैन्य परंपरा और राष्ट्रभक्ति का परिचायक है। नायक जदुनाथ सिंह, कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद, कैप्टन मनोज कुमार पांडे और ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव जैसे परमवीर चक्र विजेताओं ने अपने साहस से देश का गौरव बढ़ाया है। इनका जीवन बताता है कि देशभक्ति केवल शब्दों में व्यक्त होने वाली भावना नहीं, बल्कि कठिन से कठिन परिस्थिति में कर्तव्य निभाने का संकल्प है।

उत्तर प्रदेश के अनेक परिवारों में तीन-तीन पीढ़ियों का सेना में सेवा देना अपने आप में गौरवपूर्ण परंपरा है। गाजीपुर का गहमर गांव सैनिकों की समृद्ध परंपरा के लिए जाना जाता है। ऐसे गांवों में देशसेवा परिवारों के संस्कारों का हिस्सा बन जाती है। घर में बच्चे अपने बुजुर्गों से सेना की वीरता और बलिदान की कहानियां सुनते हुए बड़े होते हैं। यही संस्कार उन्हें राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाते हैं। आवश्यकता है कि देश के अन्य हिस्सों में भी युवाओं को सैन्य सेवाओं के प्रति प्रेरित किया जाए। सैनिक स्कूलों, राष्ट्रीय कैडेट कोर और अन्य प्रशिक्षण व्यवस्थाओं के माध्यम से युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और देशसेवा का भाव मजबूत किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की रक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने और सैनिकों का मनोबल बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आज भारत आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए पहले से अधिक सक्षम और आत्मविश्वासी दिखाई देता है। सेना को आधुनिक तकनीक, स्वदेशी रक्षा उपकरण और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। देश की सुरक्षा केवल सैनिकों के साहस पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मजबूत रक्षा नीति, आधुनिक संसाधनों और राजनीतिक इच्छाशक्ति भी उतनी ही आवश्यक है। सैनिकों का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब उनके कल्याण और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलेगी।

पूर्व सैनिकों की भूमिका को केवल अतीत की उपलब्धियों तक सीमित रखना उचित नहीं है। सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके पास अनुभवों का विशाल भंडार होता है। प्रशासन, शिक्षा, सामाजिक सेवा और युवा मार्गदर्शन जैसे क्षेत्रों में उनका योगदान अत्यंत उपयोगी हो सकता है। गांवों में पूर्व सैनिक युवाओं को सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। वे समाज में अनुशासन, स्वच्छता, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय एकजुटता की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनके अनुभवों का उपयोग राष्ट्र निर्माण में किया जाना चाहिए। मेरठ की धरती का भी भारतीय इतिहास में विशेष स्थान है। 1857 की क्रांति से जुड़ी इस ऐतिहासिक भूमि पर सैनिकों के सम्मान का आयोजन अपने आप में महत्वपूर्ण संदेश देता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ के विकास, कानून व्यवस्था और बदलती पहचान का उल्लेख करते हुए कहा कि शांति और सुरक्षा विकास की पहली शर्त है। इसी क्रम में मेजर ध्यानचंद के नाम पर खेल विश्वविद्यालय का निर्माण और युवाओं को रक्षा सेवाओं के लिए तैयार करने की पहल भविष्य की संभावनाओं को मजबूत करती है। मेजर ध्यानचंद स्वयं भारतीय सेना से जुड़े थे और उन्होंने खेल के मैदान में भी देश का गौरव बढ़ाया था। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश का प्रत्येक नागरिक सैनिकों के प्रति अपने कर्तव्यों को समझे। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान, देश की एकता और अखंडता की रक्षा, कानून का पालन तथा समाज में सद्भाव बनाए रखना भी राष्ट्रसेवा के ही रूप हैं। सैनिक सीमा पर रहकर देश की रक्षा करता है और नागरिक अपने व्यवहार तथा कर्मों से राष्ट्र को मजबूत बनाता है। दोनों की जिम्मेदारियां अलग हो सकती हैं, लेकिन उद्देश्य एक ही है। अंततः सैनिकों का सम्मान किसी सरकार, संस्था या आयोजन तक सीमित विषय नहीं होना चाहिए। यह पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। शहीदों की वीरांगनाओं, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को सम्मान देना हमारी राष्ट्रीय संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए। जिस देश की सेना का मनोबल ऊंचा होता है, उसका आत्मविश्वास भी मजबूत रहता है। सैनिक की वर्दी भले ही एक दिन उतर जाए, लेकिन उसके हृदय में मातृभूमि के प्रति समर्पण कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। यही भारतीय सैनिक की पहचान है और यही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला: हरियाणा पवेलियन में विरासत और विकास का अद्भुत संगम : संजय भाटिया

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया और व्यापार मेला प्राधिकरण की मुख्य प्रशासक ए. मोना श्रीनिवास ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बनाए गए हरियाणा पवेलियन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने पूरे पवेलियन का बारिकी से अवलोकन किया। इस अवसर पर संजय भाटिया ने कहा कि हरियाणा हर क्षेत्र में नंबर-1 है, इसकी झलक इस हरियाणा पवेलियन में भी देखने को मिल रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों को अधिक से अधिक संख्या में इस मेले में पहुंचकर विरासत और विकास के इस अद्भुत संगम की झलकियां देखने का आह्वान किया। राज्यसभा सांसद संजय भाटिया ने कहा कि वे कई वर्षों बाद व्यापार मेले में आए हैं। इससे पहले वे स्कूल के समय बच्चों के साथ भ्रमण के दौरान यहां आए थे। आज हरियाणा पवेलियन में आकर उन्हें बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा हर क्षेत्र में नंबर वन है। वर्ष 1966 में हरियाणा के गठन के बाद से लगातार लोगों का जीवन स्तर बदल रहा है और लोग खुशहाल हो रहे हैं। तकनीक के मामले में भी हरियाणा का कोई मुकाबला नहीं है।

पानीपत निर्यात के रूप में ही जाना जाता है

सांसद संजय भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देश पर मेले में निर्यात कॉर्नर बनाया गया है। यह बेहद सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि उनका जन्मस्थान पानीपत है, जो विभिन्न उत्पादों के निर्यात के रूप में ही जाना जाता है। टेक्सटाइल निर्यात के मामले में पानीपत का भारत में अहम स्थान है। पवेलियन में उन्होंने फरीदाबाद और गुरुग्राम के अनेक उत्पाद भी देखे। उन्होंने करनाल लोकसभा क्षेत्र का भी प्रतिनिधित्व किया है। वहां का बासमती चावल, जिसकी खुशबू पूरी दुनिया में फैली हुई है, उसे भी उन्होंने आज पवेलियन में दिखाया गया है। हरियाणा पवेलियन में कृषि और निर्यात के संयोजन पर सांसद संजय भाटिया ने कहा कि इस बार यह बहुत सोच-समझकर तय किया गया बड़ा अच्छा संयोजन है। हरियाणा ने अपनी विरासत को भी संभालकर रखा है और आने वाली दुनिया के साथ भी कदम से कदम मिलाकर चल रहा है।

हरियाणा पवेलियन में प्रदेश के इतिहास से लेकर आज के विकास को दिखायाः ए.मोनाश्रीनिवास

हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण की मुख्य प्रशासक ए. मोना श्रीनिवास ने कहा कि इस वर्ष के व्यापार मेले की थीम 'विकास और विरासत' है, जिसे हरियाणा पवेलियन में बेहद प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया है। हरियाणा की आध्यात्मिक और धार्मिक विरासत के साथ-साथ उसका इतिहास भी बहुत पुराना है। पवेलियन में राखीगढ़ी की सीलों से लेकर विकास की गति के साथ आज के हरियाणा तक की यात्रा को दर्शाया गया है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की सोच है कि हरियाणा अपनी पुरानी चीजों, सांस्कृतिक मूल्यों और आध्यात्मिक मूल्यों को संजोकर आगे बढ़े। हरियाणा की अपनी एक ग्रोथ स्टोरी है, जो पूरे विश्व में सबको पता है, चाहे वह उद्योग हो, कृषि हो या एआई। इसे भी पवेलियन में दर्शाया गया है।

प्रदेश की ग्रोथ स्टोरी दूसरों को भी बताएं

मुख्य प्रशासक ए. मोना श्रीनिवास ने कहा कि आज हमारा किसान केवल खेत में ही काम नहीं करता, बल्कि अपने मोबाइल और लैपटॉप के माध्यम से मौसम की जानकारी लेता है और अपने उत्पादों को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करता है। कृषि और उद्योग के साथ तकनीक का यही संगम 'विकास और विरासत' की थीम को बखूबी दर्शाता है। उन्होंने बताया कि पवेलियन में आगंतुकों के लिए क्विज़ बूथ बनाया गया है, साथ ही एक फोटो बूथ भी तैयार किया गया है, जिसमें लोग हरियाणा के खेल सितारों के साथ फोटो ले सकते हैं। उन्होंने सभी लोगों, विशेषकर युवाओं से आग्रह किया कि वे हरियाणा पवेलियन में जरूर आएं, यहां की सभी इंटरैक्टिव गतिविधियों में भाग लें, प्रदेश की झलकियां देखें, हरियाणा के बारे में जानकारी प्राप्त करें और प्रदेश की ग्रोथ स्टोरी के बारे में दूसरों को भी बताएं।

पात्र दुकानदारों को शीघ्र मालिकाना हक दिलाना सुनिश्चित करें अधिकारी: नायब सिंह सैनी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहरी स्वामित्व योजना 1.0 और शहरी स्वामित्व योजना 2.0 के तहत दुकानदारों को मालिकाना हक प्रदान करने से संबंधित सभी लंबित मामलों का एक माह के भीतर निपटारा सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र दुकानदारों को उनकी दुकानों का मालिकाना हक देने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें।



मुख्यमंत्री मंगलवार को चंडीगढ़ में स्वामित्व योजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय विभाग, राजस्व विभाग, विकास एवं पंचायत विभाग, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण से संबंधित लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने जनहित में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 20 वर्ष से अधिक समय से किराये, लीज अथवा लाइसेंस फीस के आधार पर संचालित नगर निकायों की दुकानों का मालिकाना हक उनमें काबिज पात्र व्यक्तियों को देने का निर्णय लिया था। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री शहरी स्वामित्व योजना शुरू की गई थी, ताकि वर्षों से दुकानों का संचालन कर रहे लोगों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार मिल सके और वे सम्मान एवं आत्मविश्वास के साथ अपना कारोबार कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता आम नागरिकों को उनकी संपत्ति का पूर्ण, वैध और निर्विवाद मालिकाना अधिकार दिलाना है। स्वामित्व का अधिकार मिलने से दुकानदारों को न केवल स्थायित्व मिलेगा, बल्कि वे अपनी संपत्ति का बेहतर उपयोग भी कर सकेंगे। सरकार की मंशा है कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से मिले और किसी भी व्यक्ति को विभागीय प्रक्रियाओं के कारण अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में विभिन्न विभागों की अनापत्ति, दस्तावेजों के सत्यापन अथवा अन्य औपचारिकताओं के कारण कार्य लंबित है, उनका आपसी तालमेल से शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित एक माह की समय-सीमा में लंबित मामलों का निपटारा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदारी लेकर कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पारदर्शी, जवाबदेह और जनहितकारी प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। योजनाओं का वास्तविक लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना ही सरकार की कार्यशैली का मूल आधार है। बैठक में अधिकारियों ने अवगत कराया कि शहरी स्वामित्व योजना 1.0 के तहत अब तक कुल 13,601 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 7,224 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है, जबकि 47 मामले लंबित हैं। इसी प्रकार, शहरी स्वामित्व योजना 2.0 के तहत कुल 1,781 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 311 मामलों में रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तायुक्त डॉ सुमिता मिश्रा, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव विजय दहिया, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ यश पाल, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव अजय कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में एंटी-रैगिंग जागरूकता को लेकर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित

अनप्लग इंडिया

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक में एंटी-रैगिंग कमेटी के तत्वावधान में फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स के अंतर्गत डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स तथा डिपार्टमेंट ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड एप्लीकेशन की ओर से आइक्यूएसी, बीएमयू के सहयोग से एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोस्टर मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिता की थीम 'यारी : यूथ अगेंस्ट रैगिंग' रखा गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को रैगिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षित, सम्मानजनक और सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण स्थापित करने के लिए प्रेरित करना रहा। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पोस्टरों और प्रभावशाली नारों के माध्यम से विद्यार्थियों ने रैगिंग के खिलाफ आवाज उठाते हुए आपसी भाईचारे, मित्रता, सम्मान और सहयोग का संदेश दिया। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए यह भी दर्शाया कि शिक्षण संस्थानों में किसी भी प्रकार के डर, दबाव या भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अनिल कनवा, सह-संयोजक डॉ. नेहा गाबा तथा आयोजन सचिव डॉ. सविता लठवाल रहीं। इस अवसर पर डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स की विभागाध्यक्ष डॉ. जसप्रीत दहिया भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. कविता जैन एवं डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव शामिल रहे। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए उनकी रचनात्मक सोच, विषय की समझ और संदेश की प्रभावशीलता की सराहना की।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा भावना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नेहा द्वितीय और लितेश तृतीय स्थान पर रहे। वहीं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की छात्रा निकिता ने प्रथम स्थान हासिल किया। भूमि ने द्वितीय तथा साक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रैगिंग केवल अनुशासनहीनता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मसम्मान, मानसिक सुरक्षा और शैक्षणिक भविष्य को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या है। इसे समाप्त करने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने कहा कि नए विद्यार्थियों का स्वागत सहयोग, स्नेह और मित्रता के साथ किया जाना चाहिए, न कि उन्हें किसी प्रकार के मानसिक या शारीरिक दबाव में डालकर।

कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को रैगिंग मुक्त परिसर के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा आपसी सम्मान और सकारात्मक व्यवहार अपनाने का संकल्प दिलाने के साथ हुआ।

समरसता संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

अनप्लग इंडिया

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र स्थित भाजपा जिला कार्यालय गीता कमल में संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली समरसता संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिलाध्यक्ष रमेश सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में हरियाणा सरकार के विकास एवं पंचायत तथा खान एवं भूविज्ञान विभाग के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, यात्रा प्रभारी जिला उपाध्यक्ष अशोक गुज्जर और जिला प्रभारी दीपक शर्मा ने कार्यकर्ताओं की ड्यूटियाँ बताई और यात्रा जिला संयोजक पूर्व मंत्री सुभाष सुधा उपस्थित रहे। जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष रमेश सैनी ने बताया कि संत रविदास जी को सम्मान देने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने के उद्देश्य से आयोजित समरसता संकल्प यात्रा पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड से यात्रा करती हुई हरियाणा में 25 नवम्बर को कुरुक्षेत्र जिले में पहुंचेगी जहाँ शाहबाद से होती हुई पिपली पहुंचेगी जहाँ अनेक स्थानों पर यात्रा का स्वागत किया जाएगा और पिपली से विशाल मोटरसाइकिलो का काफिला यात्रा को सम्मानपूर्वक उमड़ी स्थित रविदास धाम के स्थान तक लेकर जाएगा जहाँ रविदास की के जीवन और समाज को समर्पित विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि इस समरसता यात्रा को सफल बनाने के लिए शक्ति केंद्र से बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को पुरुषार्थ करना होगा क्योंकि भाजपा ऐसी पार्टी है जिसने 2014 के बाद सरकार बनने पर संतों और गुरुओं की जयंती को सरकारी आयोजन के रूप में भव्यता से मनाने की पहल तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी की अगुवाई में की और यह प्रचलन तभी से भाजपा की कार्यशैली का हिस्सा बन गया जिससे समाज के हर वर्ग को और गुरुओं को सम्मान दिया जाता है। इस भव्य यात्रा में मुख्य रूप से प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी उपस्थित रहेंगे, उनके साथ प्रदेशाध्यक्ष डॉ.अर्चना गुप्ता व हरियाणा सरकार के अनेक मंत्रीगण और चेयरमैन भी उपस्थित रहकर संत रविदास जयंती पर उन्हें नमन करेंगे। पूर्व मंत्री सुभाष सुधा ने बताया कि 25 नवम्बर को कुरुक्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत के बाद और विशाल जनसभा जहाँ अनेक संत विभूतियों के पावन सान्निध्य प्राप्त होगा और हजारों की संख्या में लोग संत रविदास के जीवन से प्रेरणा लेने पहुँचेगे, समरसता यात्रा का रात्रि ठहराव कुरुक्षेत्र में रहेगा और 26 नवम्बर को मंदिर दर्शन और समरसता संवाद जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ यात्रा जिला करनाल में प्रवेश करेगी। इस अवसर पर चेयरमैन सुभाष कलसाना, गुरनाम सैनी, प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष डॉ. अवनीत वड़ैच, जिला प्रभारी दीपक शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता जय भगवान डीडी शर्मा, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि कैलाश सैनी।

हकृवि में अनुसूचित जाति वर्ग के युवक-युवतियों के लिए आवेदन आमंत्रित



अनप्लग इंडिया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए तीन दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे। इन प्रशिक्षणों में फल एवं सब्जियों को सुरक्षित रखने, नर्सरी तैयार करने, कटाई एवं सिलाई, प्राकृतिक खेती तथा श्रीअन्न से बेकरी उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

इच्छुक उम्मीदवार 30 नवंबर 2026 को शाम 4:30 बजे तक संस्थान में आवेदन जमा करवा सकते हैं। आवेदन फार्म संस्थान के कार्यालय में उपलब्ध हैं। आवेदन के साथ जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, फोटो, दसवीं कक्षा का प्रमाण-पत्र और बैंक पासबुक की प्रति लगाना जरूरी है। इसके अलावा, यदि कोई अन्य विशेष प्रमाण-पत्र है तो उसकी प्रति भी जमा करवानी होगी।

संस्थान विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के पास लूदास रोड पर स्थित है। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। प्रशिक्षण में पूरी अवधि तक भाग लेने वाले प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण-पत्र और योजना के तहत सहायता सामग्री भी दी जाएगी। प्रशिक्षण का समय सुबह 9 बजे से शाम 4:30 बजे तक रहेगा। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को यह प्रमाण देना होगा कि उन्होंने या उनके परिवार के किसी सदस्य ने पहले विश्वविद्यालय के किसी संबंधित संस्थान या कृषि विज्ञान केंद्र से सहायता वाली योजना के तहत ऐसा कोई प्रशिक्षण नहीं लिया है।

शहीद स्मारक के समक्ष जल्द लगेगा एस्केलेटर, मंजूरी मिली, लोगों में आने में नहीं होगी दिक्कत : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज के प्रयासों से अब जल्द आजादी की पहली लड़ाई का शहीद स्मारक, अंबाला छावनी के समक्ष एस्केलेटर लगेगा। एस्केलेटर लगाने के लिए मंजूरी भी मिल गई है। इसके लगने से अब स्मारक में पैदल आने वाले लोगों को जीटी रोड क्रास करने में आसानी होगी। यह जानकारी आज ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने दी।

आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक के आगे नेशनल हाईवे (जीटी रोड) है। सड़क पार करने में कोई दिक्कत न हो इसके लिए एस्केलेटर लगाने को मंजूरी मिल गई है और उसके आगे एस्केलेटर लगाया जाएगा। उन्होंने कहा जल्दी हम हरियाणा के सभी स्कूल व कालेज विद्यार्थियों को भी यह दिखाने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शहीदी स्मारक आम जनता के लिए खोल दिया गया है, खोलने से पहले उन ज्ञात-अज्ञात क्रांतिकारियों को जिनको अंग्रेजों ने गोलियां मारी जिनको पेड़ों से टांग-टांग कर गोलियों से भूना गया, जिनको गोलिया मारी, जिनके गांव के गांव जला दिए उन आत्माओं की शांति के लिए हवन यज्ञ करके 15 नवंबर से शहीद स्मारक आम जनता के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्मारक में आने के लिए ऑनलाइन बुकिंग है और पहले महीने की सारी बुकिंग हो गई है। पहले ही दिन छत्तीसगढ़, पंजाब, जींद से भी लोग यह आए थे। शहीद स्मारक निर्माण के लिए ऊर्जा मंत्री अनिल विज को अम्बाला प्रेस क्लब द्वारा किया गया सम्मानित

ऐतिहासिक शहीद स्मारक का भव्य निर्माण कराने को लेकर अम्बाला प्रेस क्लब ने ऊर्जा मंत्री अनिल विज आभार व्यक्त किया है। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि मंत्री अनिल विज ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की



है। इस अवसर पर अंबाला प्रेस क्लब के सदस्यों ने मंत्री अनिल विज को फूलों का गुलदस्ता और दोशाला भेंट कर सम्मानित किया। पत्रकारों ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की तस्वीर भेंट कर उनके प्रयासों की सराहना की।

पत्रकारों ने कहा कि अंबाला की धरती का देश की आजादी के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण स्थान रहा है। 1857 की क्रांति से जुड़ी इस ऐतिहासिक भूमि पर शहीदों की याद में इतना भव्य स्मारक स्थापित करवाना अनिल विज की शहीदों के प्रति अटूट श्रद्धा, ऐतिहासिक सोच और दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अनिल विज ने जिस संकल्प और समर्पण के साथ शहीद स्मारक के निर्माण को साकार किया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। यह स्मारक देश के वीर शहीदों के बलिदान, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा का प्रतीक है। अनिल विज ने इस ऐतिहासिक परियोजना को धरातल पर उतारकर अंबाला को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने का काम किया है। उनका यह प्रयास इतिहास के पन्नों में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। ऐसे जनप्रतिनिधि, जो अपनी धरती के इतिहास और शहीदों के सम्मान को सर्वोपरि रखते हैं, वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने पत्रकारों का आभार व्यक्त किया

वहीं, पत्रकारों द्वारा सम्मानित किए जाने के बाद ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा की पत्रकारों से यह सम्मान पाकर वह गद गद महसूस कर रहे हैं हूँ। उन्होंने कहा कि यह जो राष्ट्रीय स्मारक अंबाला छावनी में बना है आजादी की पहली लड़ाई को समर्पित एक भी समारक सारे हिंदुस्तान में नहीं है। विज ने कहा अलग-अलग जगह पर अलग-अलग लोगों के समारक हो सकते हैं जैसे कहीं पर झांसी की रानी का हो सकता है, कहीं पर तात्या टोपे का हो सकता है तो कहीं पर मंगल पांडे का हो सकता है। लेकिन पूरे देश में उस समय जो क्रांति हुई जिसकी पहली चिंगारी अंबाला मे भडक़ी थी उस पूरी क्रांति को समर्पित पहला स्मारक अम्बाला छावनी में बना है। विज ने अंत में कहा आज शहीद समारक बनाने में मेरा जो सहयोग रहा है उसके लिए पत्रकारों ने उनको रिकॉग्नाइज किया है इसके लिए वह पत्रकारों का आभार व्यक्त करते हैं।

एनसीसी कैडेट्स का सम्मान समारोह आयोजित

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-9, गुरुग्राम में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स के सम्मान में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोहतक ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर राम नरेश ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया। कार्यक्रम में 5 हरियाणा बटालियन एनसीसी, गुरुग्राम के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल समीर कौशिक विशेष रूप से उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. नीलम दहिया ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया तथा एनसीसी कैडेट्स की उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर ब्रिगेडियर राम नरेश ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रसेवा एवं समर्पण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कैडेट्स को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और देश के जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कर्नल समीर कौशिक ने भी कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए एनसीसी की गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. नीलम दहिया ने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कैडेट्स की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन (डॉ.) सतीश यादव भी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कैडेट्स को भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।



डॉ. प्रियंका सौरभ को 2.82 लाख के सम्मान, भिवानी गौरव पुरस्कार-2026 से अलंकृत

अनप्लग इंडिया

हिसार। साहित्य, पत्रकारिता एवं सामाजिक चिंतन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हरियाणा की साहित्यकार एवं स्तंभकार डॉ. प्रियंका 'सौरभ' को भिवानी गौरव पुरस्कार-2026 से सम्मानित किया गया। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित होटल क्राउन प्लाजा में आयोजित समारोह में उन्हें ?2,51,000 की आजीवन गौरव सदस्यता तथा ?31,000 का भिवानी गौरव साहित्य पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार उन्हें कुल ?2,82,000 की सम्मान राशि से अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रतिष्ठित नारायणी देवी भग्गनका ओजस्विनी सम्मान भी प्रदान किया गया। रविवार, 15 नवंबर 2026 को दिल्ली के क्राउन प्लाजा होटल, रोहिणी में आयोजित इस समारोह में परम संत हुजूर कंवर साहिब जी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। उनके सानिध्य ने आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए अन्य विभूतियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें लोक प्रशासन एवं ग्राम विकास के लिए सांसद एन.डी. गुप्ता, शिक्षा के लिए डॉ. नरेश कौशिक, पत्रकारिता के लिए श्री बलवान शर्मा, साहित्य के लिए डॉ. जोगेंद्र कुमार, खेल के लिए श्री पूनम शर्मा, सेवा के लिए श्री रामदेव तायल, कला एवं संगीत के लिए श्री दिनेश रहन तथा राष्ट्रसेवा के लिए श्री जीताराम गुप्ता (एडवोकेट) शामिल रहे। इसके अतिरिक्त सेवामूर्ति श्री सूरजमल कागड़िया, श्री कुलदीप राज महाजन और श्री जगन्नाथ सर्राफ के नाम से स्मृति सत्र भी आयोजित किए गए।

साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान का सम्मान

राजनीति विज्ञान में पीएच.डी. डॉ. प्रियंका 'सौरभ' कवयित्री, साहित्यकार, स्वतंत्र पत्रकार, स्तंभकार एवं सामाजिक



चिंतक हैं। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में सक्रिय लेखन करते हुए उनके हजारों संपादकीय, लेख एवं विचार-आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। उनके लेखन के प्रमुख विषय महिला सशक्तिकरण, स्त्री-अस्मिता, शिक्षा, ग्रामीण विकास, लोकतांत्रिक मूल्य और समसामयिक सामाजिक सरोकार हैं।

14 पुस्तकों से समृद्ध साहित्यिक यात्रा

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की 12 व्यक्तिगत तथा दो संपादित पुस्तकें प्रकाशित हैं। उनकी प्रमुख कृतियों में 'दीमक लगे गुलाब', 'चूल्हे से चाँद तक', 'मौन की मुस्कान', 'खिड़की से झाँकती ज़िंदगी', 'परियों से संवाद', 'बच्चों की दुनिया', 'समय की रेत पर', 'निर्भयें', 'स्वद्गुहृह्यद्गह्यह्य' और 'आँचल की चुप्पी' शामिल हैं। हरियाणवी भाषा एवं लोकसाहित्य के संरक्षण के लिए भी वे निरंतर सक्रिय हैं। 'म्हारी माट्टी, म्हारे आखर' का संकलन एवं संपादन उनके इस योगदान को रेखांकित करता है।

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

उन्हें पूर्व में नारी रत्न पुरस्कार, विश्व हिंदी साहित्य रत्न पुरस्कार, सुपर वुमन अवार्ड, ग्लोबल सुपर वुमन अवार्ड, महिला रत्न सम्मान, नागरिक पत्रकारिता नारद पुरस्कार तथा साहित्यांचल राष्ट्रीय पुरस्कार सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें यूनाइटेड किंगडम, फिलीपींस एवं बांग्लादेश से अंतरराष्ट्रीय मानद डॉक्टरेट उपाधियाँ भी प्राप्त हुई हैं।

सफलता का श्रेय माता-पिता, परिवार और जीवनसाथी को

अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका 'सौरभ' ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार के सभी सदस्यों तथा जीवनसाथी डॉ. सत्यवान सौरभ को दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता के संस्कार, परिवार का स्नेह, सहयोग और जीवनसाथी का निरंतर प्रोत्साहन उनकी साहित्यिक एवं रचनात्मक यात्रा की सबसे बड़ी ताकत रहे हैं। डॉ. सत्यवान सौरभ ने प्रत्येक परिस्थिति में उनके लेखन, साहित्यिक गतिविधियों और वैचारिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास, त्याग, सहयोग और प्रेरणा का प्रतिफल है, जो हर कदम पर उनके साथ खड़े रहे।

भिवानी परिवार मैत्री संघ के प्रति जताया आभार

इस उपलब्धि पर डॉ. प्रियंका 'सौरभ' ने भिवानी परिवार मैत्री संघ के अध्यक्ष श्री राजेश चेतन, संयोजक श्री प्रमोद शर्मा तथा संघ के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों और पूरे भिवानी परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने निर्णायक मंडल एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का भी धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि भिवानी की माटी, यहाँ के संस्कार और साहित्यिक परिवार का स्नेह उनकी सबसे बड़ी पूँजी है। यह सम्मान उनकी साहित्यिक यात्रा को नई ऊर्जा और समाज के प्रति अपनी रचनात्मक जिम्मेदारियों को और अधिक समर्पण से निभाने की प्रेरणा देगा।

डॉ. प्रियंका 'सौरभ' की इस उपलब्धि को भिवानी, सिवानी मंडी और हिसार सहित पूरे हरियाणा के साहित्यिक जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

सीतापुर में बड़ा हादसा, ट्रक ने ट्रैक्टर में मारी जोरदार टक्कर, तीन मजदूरों की मौत; दो की हालत नाजुक

अनप्लग इंडिया

सीतापुर। सीतापुर के अटरिया थाना क्षेत्र में सहजनपुर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने ईंट उतारकर लौट रहे मजदूरों के ट्रैक्टर में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में तीन मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार जारी है। अटरिया थाना क्षेत्र के सहजनपुर गांव के पास मंगलवार सुबह हाईवे पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ईंट उतारकर ट्रैक्टर से वापस घर लौट रहे मजदूरों के ट्रैक्टर में पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी सिधौली में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, बिसवां क्षेत्र के मजदूर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर ईंटें लादकर बिक्री के लिए लखनऊ गए थे। वहां ईंटें उतारने के बाद सभी मजदूर ट्रैक्टर से वापस बिसवां लौट रहे थे। इसी दौरान सहजनपुर गांव के निकट पीछे से आए एक ट्रक ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे में पांच लोग इसकी चपेट में आ गए। इस दर्दनाक हादसे में नीलू (35) निवासी बिनौना, आकाश (28) निवासी रानीपुर और गोविंद (32) निवासी भुलभिलिया, थाना बिसवां की मौत हो गई। वहीं सुशील और विकास घायल हो गए। दोनों घायलों का सीएचसी सिधौली में उपचार जारी है।

पुलिस आने की अफवाह में भागा युवक, अंधेरे में कुएं में गिरने से हुई मौत; सुबह राहगीरों ने देखा शव

अनप्लग इंडिया

सोनभद्र । सोनभद्र जिले में जुआ खेलने के दौरान पुलिस के आने की अफवाह पर भगदड़ मच गई। इस दौरान एक शख्स कुएं में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। राहगीरों ने सुबह कुएं में शव देखा तो जानकारी पुलिस को दी गई। सोनभद्र जिले के कोन थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रामगढ़ के सरिया खाड़ी टोले में कुएं में गिरने से प्रदीप कन्नौजिया (35) की मौत हो गई। आशंका है कि रविवार की रात पुलिस के आने की अफवाह पर भागते समय वह कुएं में गिर गया। सोमवार की सुबह कुएं में उसका शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। रामगढ़ निवासी जोखन कन्नौजिया का पुत्र प्रदीप रविवार की रात सरिया खाड़ी टोले की ओर गया था। बताया जाता है कि वहां खेत के पास कुछ लोग जुआ खेल रहे थे। प्रदीप भी उनके साथ मौजूद था। इसी दौरान किसी ने पुलिस के आने की अफवाह फैला दी। यह सुनकर वहां मौजूद लोग भागने लगे। प्रदीप भी जंगल की ओर भागा लेकिन इसके बाद उसका पता नहीं चला। सोमवार की सुबह ग्रामीण उस ओर गए तो रास्ते में स्थित कुएं में प्रदीप का शव पड़ा देखा। ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस के आने की अफवाह पर भागते समय वह कुएं में गिर गया। सूचना पर पहुंची कोन थाने की पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोन थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि प्रदीप की मौत कुएं में गिरने से हुई है। आशंका है कि भागते समय वह कुएं में गिर गया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की सही स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

तीन साल से लकड़ी के खंभे के सहारे बिजली आपूर्ति, हादसे का खतरा

अनप्लग इंडिया

बभनी। विकास खंड बभनी की ग्राम पंचायत रंदह के झनकपुर में विद्युत निगम की लापरवाही से ग्रामीणों पर हादसे का खतरा मंडरा रहा है। यहां वर्ष 2022 में बिजली का खंभा टूटकर गिर गया था। इसके बाद निगम ने नया खंभा लगाने के बजाय लकड़ी के खंभे के सहारे एलटी लाइन की आपूर्ति बहाल कर दी। करीब तीन से चार वर्ष बीतने के बाद भी स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। अब लकड़ी का खंभा भी सड़कर जर्जर हो चुका है। ग्रामीणों के मुताबिक, लकड़ी का खंभा पूरी तरह कमजोर हो गया है। इसी के सहारे बिजली के तार टिके हुए हैं। तेज हवा या बारिश के दौरान खंभे के गिरने की आशंका बनी रहती है। ऐसे में कभी भी बड़ा विद्युत हादसा हो सकता है। इसके बावजूद अब तक नया खंभा नहीं लगाया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार विद्युत निगम के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला। तीन से चार वर्ष बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीण राजनारायण, मनबोध, सुचारु, बुधन, बैजनाथ, देव कुमार, काशी, बंशी, दिनेश, पप्पू राम, प्रयाग, चंद्रिका और रामप्यारे सहित अन्य लोगों ने जिलाधिकारी से समस्या का संज्ञान लेकर जर्जर लकड़ी के खंभे को हटवाने और नया विद्युत खंभा लगवाने की मांग की है। इस संबंध में बिजली निगम के एसडीओ शिवम गुप्ता ने बताया कि समस्या संज्ञान में आ चुकी है। जल्द ही नया विद्युत खंभा लगवा दिया जाएगा।

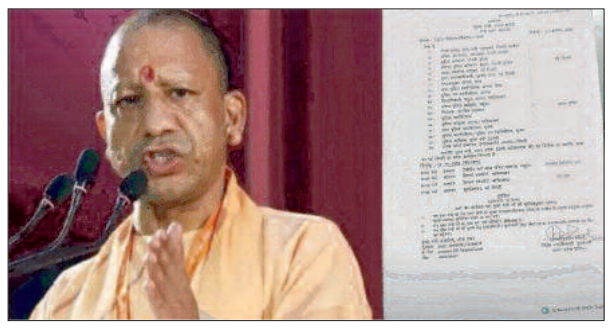
रिक्शा चालक का पैनकार्ड लगा फजीर्वाड़ा, अरबों रुपये का किया लेनदेन, सीबीडीटी ने दिए जांच के निर्देश

अनप्लग इंडिया

कानपुर। में जालसाजों ने रिक्शा चालक और घरेलू नौकरों के पैनकार्ड व आधार का दुरुपयोग कर अलग-अलग बैंकों में खाते खुलवाए और उनके जरिए अरबों रुपये का लेनदेन कर डाला। सीबीडीटी के निर्देश पर आयकर निदेशालय (जांच) ने ऐसे पांच संदिग्ध खातों की जांच शुरू कर दी है। कानपुर में जालसाजों की नजर लोगों के पैनकार्ड पर है। कानपुर आयकर निदेशालय (जांच) की पड़ताल में ऐसे पांच संदिग्ध बैंक खाते सामने आए हैं। इन खातों के जरिये अरबों रुपये का लेनदेन किया गया। खास बात यह है कि इन खातों में इस्तेमाल किए गए पैन कार्ड के वास्तविक धारक कोई कारोबारी या कंपनी संचालक नहीं है, बल्कि रिक्शा चालक और घरेलू नौकर निकले। हालांकि, अधिकारी अभी इन खातों और लेनदेन की कड़ियों को जोड़ने में जुटे हैं। इन मामलों में बैंक अफसरों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। दरअसल, बैंकों की ओर से संदिग्ध लेनदेन की जानकारी आयकर विभाग को दी जाती है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अलग-अलग बैंकों के संदिग्ध खातों की जांच के निर्देश कानपुर आयकर निदेशालय (जांच) को दिए हैं। जिन पांच बैंक खातों की पड़ताल सौंपी गई है। उनके जरिये अरबों रुपये का लेनदेन हुआ है। पैन कार्ड धारक बेहद कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के निकले जब खातों में दर्ज पैन कार्ड की जांच की गई तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पैन कार्ड धारक बेहद कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के लोग निकले। इनमें कोई रिक्शा चालक है, तो कोई घरेलू नौकरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा है। सूत्रों के अनुसार अब यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से, तो ऐसे खाते नहीं खोले जा रहे हैं। खाते खोलने और संचालन में कोई गड़बड़ी तो नहीं हुई आशंका है कि सामान्य लोगों के दस्तावेजों का इस्तेमाल कर बैंक खाते खोले गए हैं। फिर उनके जरिये रुपयों का लेनदेन करने के बाद खाते बंद कर दिए गए। विभाग बैंक अधिकारियों की भूमिका और उनकी गतिविधियों की भी पड़ताल कर रहा है। इससे यह पता लगाया जा सके कि खाते खोलने और उनके संचालन में कोई गड़बड़ी, तो नहीं हुई। जो पांच संदिग्ध खाते जांच के दायरे में आए हैं। उसमें एक खाते में ही 100 करोड़ से ज्यादा का लेन-देन कुछ समय में किया गया। सत्यापन के नाम पर ली गई नौकर की आईडी एक व्यक्ति ने घर में घरेलू कामकाज के लिए नौकर रखा। पुलिस सत्यापन के नाम पर आधार कार्ड और पैन कार्ड संबंधित से ले लिया। इसके बाद उसका बैंक खाता खुलवाया। बैंक के जरिये वेतन देने की बात कहकर बैंककर्मियों के सामने ले जाकर उसका भौतिक सत्यापन भी करवा दिया। इसके बाद मिले चेक, एटीएम अपने पास रख लिए। इसके बाद से उस घरेलू नौकर के नाम से बेनामी लेनदेन किया गया। इसमें बैंक कर्मचारी और अफसर भी मदद करते हैं। पैन और आधार की फोटो कॉपी किसी को न दें

आगरा दौरा रद्द कर अचानक दिल्ली रवाना हुए सीएम योगी, सियासी गलियारों में अटकलें तेज

अनप्लग इंडिया



आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मंगलवार को प्रस्तावित आगरा दौरा निरस्त हो गया है। मथुरा में भाजपा के चिंतन शिविर में शामिल होने के बाद अब वह दिल्ली रवाना होंगे। उन्हें दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के परिजनों से मुलाकात करनी थी, लेकिन कार्यक्रम में अचानक बदलाव से सियासी चचाएं तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मंगलवार को प्रस्तावित आगरा दौरा निरस्त कर दिया गया है। मथुरा में भाजपा के दो दिवसीय चिंतन शिविर में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री अब दिल्ली रवाना होंगे। पहले उनका कार्यक्रम फतेहाबाद के दिवंगत भाजपा विधायक छोटेलाल वर्मा के परिजनों से मुलाकात करने का था। इस अचानक बदलाव ने राजनीतिक गलियारों में चचाओं को तेज कर दिया है। योगी आदित्यनाथ ने अचानक आगरा का दौरा क्यों रद्द किया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो अनुसंधान केंद्र में चल रही भाजपा की बैठक में शामिल होने के बाद बरसाना जाना था, जहां उन्हें दिवंगत पद्मश्री रमेश बाबा को श्रद्धांजलि अर्पित करनी थी। इसके बाद हेलीकॉप्टर से आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पहुंचकर शमशाबाद रोड स्थित दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के आवास पर जाने का कार्यक्रम था। उत्तर प्रदेश के सियासी गलियारों में इन दिनों भाजपा की चुनावी तैयारियों और संगठनात्मक समीकरणों को लेकर चचाएं तेज हैं। मथुरा में भाजपा के दो दिवसीय चिंतन शिविर में पार्टी के शीर्ष नेताओं के जुटने के बाद मुख्यमंत्री का अचानक दिल्ली रवाना होना भी राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। मथुरा में भाजपा की बैठक के बाद योगी आदित्यनाथ दिल्ली क्यों रवाना हुए? मथुरा में भाजपा की बैठक के बाद योगी आदित्यनाथ के अचानक दिल्ली जाने को लेकर चर्चा ये भी है कि कुछ समय पहले एक कथित सूची के हवाले से यह दावा किया गया था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले चरण में 209 संभावित प्रत्याशियों के नाम हाईकमान को भेजे हैं, जिन्हें जिताऊ उम्मीदवार के तौर पर प्रस्तावित किया गया था। हालांकि, कुछ नेताओं की ओर से इस सूची को अंतिम प्रत्याशियों की सूची के रूप में पेश करने की कोशिश भी हुई थी। योगी आदित्यनाथ आगरा में दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के परिवार से क्यों मिलने वाले थे? आगरा के फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक छोटेलाल वर्मा का 24 सितंबर को बीमारी के कारण निधन हो गया था। सीएम योगी को शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात करनी थी। दौरा निरस्त होने के बाद यह प्रस्तावित मुलाकात भी नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम ने तैयारियां भी शुरू कर दी थीं। शमशाबाद रोड स्थित आवास तक जाने वाले मार्ग पर सड़क मरम्मत, विशेष सफाई अभियान और अतिक्रमण हटाने के साथ सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। हालांकि, आगरा का कार्यक्रम निरस्त होने के बाद इन तैयारियों पर विराम लग गया है। राजनीतिक अटकलें हुईं तेज ऐसे में मथुरा के चिंतन शिविर के बाद मुख्यमंत्री के अचानक दिल्ली जाने और आगरा का प्रस्तावित कार्यक्रम निरस्त होने से राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं। अब सबकी निगाहें दिल्ली में होने वाली संभावित राजनीतिक गतिविधियों पर टिकी हैं। परखम स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय गो-अनुसंधान केंद्र में सोमवार से शुरू हुई दो दिवसीय योजना बैठक के पहले ही दिन भाजपा ने अपने चुनावी एजेंडे के संकेत दे दिए। बात विकास और सुरक्षा से शुरू हुई और सनातनी मंत्र तक पहुंची। राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के रणनीतिकारों ने पिछले चुनाव से लेकर आगे की तैयारियों पर बात की। इसमें मुख्य रूप से चार अहम बिंदुओं पर बात हुई। मुख्य रूप से विरोधियों के पीडीए नैरेटिव की काट पर मंथन हुआ। इसके लिए पारंपरिक और नए सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने पर जोर देने की बात कही। साथ ही सनातन के एजेंडे को और धार देने पर बात हुई। दूसरा, चुनावी साल से ठीक पहले सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और कार्यकताओं की शिकायतों के लिए भी बात हुई। बूथ स्तर पर किलेबंदी को प्रमुखता से रखा गया। मथुरा में भाजपा की बैठक में कौन-कौन से बड़े नेता शामिल हुए और किन मुद्दों पर चर्चा हुई।

विद्यापीठ की छात्रा से छेड़खानी का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

अनप्लग इंडिया

वाराणसी वाराणसी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस ने काशी विद्यापीठ की छात्रा के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। अस्सी नाला के पास मुठभेड़ के बाद उसे दबोचा गया। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की छात्रा से ऑटो में छेड़खानी करने के आरोपी चालक मैनुद्दीन को लंका पुलिस ने सोमवार की देर रात अस्सी नाला, रविंद्रपुरी के पास मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है, जिसके बाद उसे इलाज के लिए बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की छात्रा है। वह सोमवार की सुबह ऑटो से कहीं जा रही थी। इसी दौरान ऑटो चालक मैनुद्दीन ने उसके साथ छेड़खानी की। शिकायत मिलने के बाद लंका थाने की पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी मूल रूप से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में मिजार्पुर के चुनार में रह रहा था। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने उसकी घेराबंदी की और गिरफ्तार किया। मेडिकल के लिए ले जाते समय आरोपी ने फैंटम दस्ते की हिरासत से भागने का प्रयास किया। इसके बाद पुलिस की पिस्टल छीनकर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।क्या बोले अधिकारी विद्यापीठ की छात्रा से छेड़खानी के आरोपी को इलाज के लिए बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। मामले में पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। महिलाओं के साथ अपराध में जीरो टॉलरेंस की नीति से काम किया जा रहा है।

छह साल में सिंचाई विभाग में 168 करोड़ की हेराफेरी, ऑडिट में खुला खेल

अनप्लग इंडिया



मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले में छह साल में सिंचाई विभाग में 168 करोड़ की हेराफेरी हुई। 15 लाख रुपये के घोटाले की जांच के दौरान बड़ा खुलासा हुआ। मामले में एक और बाबू को निलंबित करने की एक्सईएन ने संस्तुति की। मिजार्पुर में सिंचाई विभाग में सरकारी खजाने को लूटने का खेल बड़े पैमाने पर हुआ। पहले करीब 15 करोड़ रुपये के घोटाले की जांच चल रही थी, लेकिन महालेखाकार प्रयागराज की ऑडिट टीम की पड़ताल में मामला बढ़कर करीब 168 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस मामले में जांच जारी है। घोटाले की रकम बढ़ने के साथ ही इसमें लिप्त कर्मियों की संख्या में भी इजाफा होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। लघुडाल में कार्यरत बाबू विक्रम सिंह के निलंबन की संस्तुति भी एक्सईएन ने की है। वर्ष 2015-16 से शुरू हुई जांच में वर्ष 2021-22 तक के वित्तीय लेनदेन की पड़ताल की गई है। अभी ऑडिट जारी है। ऐसे में घोटाले की रकम और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। आरोप है कि एमसीडी, सिरसी, कनहर, नलकूप और लघुडाल खंड में तैनात अधिकारियों और लिपिकों की मिलीभगत से वेतन मद में फर्जी भुगतान कर सरकारी धन का बंदरबांट किया गया। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे खेल का कथित मास्टरमाइंड एमसीडी में तैनात लिपिक जितेंद्र कुमार है। बताया जा रहा है कि यह गिरोह वर्ष 2012 से ही सक्रिय था। घोटाले का तरीका भी चौंकाने वाला है। आरोप है कि अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षर और कार्यालय के कूटरचित आदेश तैयार कर सरकारी धन को परिचितों, रिश्तेदारों, भाई-बहन और पत्नी के बैंक खातों में भेजा जाता था। एक-एक खाते में कई बार 10 से 12 लाख रुपये तक की रकम स्थानांतरित की गई। इस तरह वेतन भुगतान के नाम पर सरकारी खजाने में सेंध लगाई जाती रही। मामले में जितेंद्र कुमार के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एमसीडी में बैंक खातों की जांच के दौरान लिपिक राधाकांत सिंह और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शिवलता मिश्रा के नाम सामने आने पर उन्हें निलंबित किया गया है। वहीं, लघुडाल खंड में तैनात लिपिक विक्रम का नाम सामने आने के करीब एक माह बाद भी उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है और न ही विभागीय कार्रवाई की गई है। इससे विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। महालेखाकार की अंतरिम रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। ऑडिट में सामने आई करीब 168 करोड़ रुपये की रकम ने विभागीय निगरानी और वित्तीय नियंत्रण की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें इस बात पर हैं कि जांच में कितने जिम्मेदारों की भूमिका सामने आती है और सरकारी धन की वसूली के लिए क्या कार्रवाई होती है। पैसे के लेन-देन में शामिल होने के आरोपी लिपिक विक्रम नलकूप विभाग से संबद्ध है। उसका नाम सामने आने पर उसके निलंबन की कार्रवाई के लिए अधीक्षण अभियंता नलकूप मंडल को पत्र भेज दिया गया है। - राजाराम चौधरी अधिशासी अभियंता लघुडाल नहर प्रखंड लिपिक के खिलाफ कार्रवाई के लिए अधिशासी अभियंता लघुडाल नहर प्रखंड का पत्र प्राप्त हुआ है। जल्द ही इस मामले की जांच कर संबंधित लिपिक के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश यादव और राहुल की दिल्ली में होने वाली बड़ी बैठक टली, इस बात की होने लगी चर्चा

अनप्लग इंडिया

लखनऊ उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर होने वाली अहम बैठक अचानक टल गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात होनी थी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे पर होने वाली अहम बैठक अचानक टल गई है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी के बीच मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात होनी थी। इसमें गठबंधन के तहत सीटों के तालमेल पर चर्चा की जानी थी, लेकिन अब बैठक को तीन से चार दिन के लिए आगे बढ़ा दिया गया है। अखिलेश सोमवार को ही दिल्ली पहुंच गए थे। बैठक टलने के पीछे सीटों को लेकर दोनों दलों के बीच चल रही रणनीतिक तैयारी को अहम वजह माना जा रहा है। कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई बैठक के बाद यूपी की 181 विधानसभा सीटों पर अपना दावा पेश किया था। कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों को भी दी रफ्तार दूसरी तरफ कांग्रेस ने यूपी में चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में प्रदेश की सियासी रणनीति को लेकर बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता वीरेंद्र चौधरी शामिल हुए। बैठक में अब तक की चुनावी तैयारियों, चुनाव संचालन और प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर चर्चा हुई। तय किया गया कि नवंबर के अंत तक सभी कमेटियों की घोषणा कर दी जाए, ताकि दिसंबर के पहले सप्ताह से प्रदेश में चुनावी सभाएं शुरू की जा सकें। इन सभाओं में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी हिस्सा लेंगी। प्रदेश संगठन को तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस की ओर से भेजी गई सूची -कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 181 सीटों की मांग की है। इनमें बेहट, नकुड़, सहारनपुर नगर, सहारनपुर देहात, रामपुर मनिहारान, थाना भवन, बुढ़ाना, पुरकाजी, मीरापुर, बढ़ापुर, धामपुर, नहटौर, मुरादाबाद नगर, कुंदरकी, चंदौसी, स्वार, धनौरा, नौगवां सादात, हसनपुर, सिवालखास, हस्तिनापुर, मेरठ दक्षिण, बागपत, लोनी, धौलाना, हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, बुलंदशहर, शिकारपुर, कोल, मांट, मथुरा, आगरा ग्रामीण, फतेहपुर सीकरी, खेरागढ़, बदायूं, नवाबगंज, फरीदपुर, पीलीभीत, पूरनपुर, तिलहर, शाहजहांपुर, गोला गोकर्णनाथ, सीतापुर, लहरपुर, बिसवां,

दो ट्रेलरों की टक्कर, गैस कटर से केबिन को काटकर बाहर निकाला गया फंसे खलासी का शव

अनप्लग इंडिया

आजमगढ़ जिले में लिंक एक्सप्रेसवे पर दो ट्रेलरों की टक्कर में खलासी की जान चली गई। गैस कटर से केबिन काटकर फंसे खलासी का शव निकाला गया। इस दौरान मौके पर हड़कंप मच गया। आजमगढ़ जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव के पास गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर दो ट्रेलरों की भीषण भिड़ंत में मुरादाबाद के मुगलपुरा थाना क्षेत्र के तारिक नगर निवासी मोनू पठान (30) की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस, फायर ब्रिगेड और बचाव दल ने गैस कटर की मदद से केबिन को काटकर शव बाहर निकाला। अतरौलिया थाना प्रभारी अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि सोमवार दोपहर करीब तीन बजे दो ट्रेलर गोरखपुर की ओर जा रहे थे। कैसे हुआ हादसा अतरौलिया थाना क्षेत्र के मनियारपुर गांव के पास एक्सप्रेसवे के पिलर नंबर 59.700 पर पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रेलर ने आगे चल रहे दूसरे ट्रेलर में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पीछे वाले ट्रेलर का अगला हिस्सा बुरी तरह पिचक गया। केबिन में मौजूद खलासी उसमें फंस गया। आवाज सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। उधर, हादसे के बाद दोनों ट्रेलरों के चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर भाग निकले। स्थानीय लोगों की सूचना पर यूपीडा का गश्ती दल, फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। वाहन का अगला हिस्सा



बुरी तरह क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे खलासी को निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया। वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के कारण खलासी को बाहर निकालने में परेशानी हो रही थी। बचाव दल ने पहले उसे सुरक्षित निकालने का प्रयास किया, लेकिन केबिन की स्थिति ऐसी थी कि रास्ता नहीं बन पा रहा था। इसके बाद गैस कटर की मदद से केबिन के हिस्सों को काटकर रास्ता बनाया गया। काफी मशक्कत के बाद खलासी को बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही अतरौलिया थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। एक्सप्रेसवे पर हादसाः नींद में थे यात्री, अचानक हुआ जोरदार धमाका...खुलीं आंखें तो चारों तरफ खून ही खून, दो की मौत

आजम खां की अर्जी पर हाईकोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, ईडी की गिरफ्तारी और न्यायिक हिरासत को दी है चुनौती

अनप्लग इंडिया



प्रयागराज आजम खां की अर्जी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है। सपा नेता ने ईडी की गिरफ्तारी और न्यायिक हिरासत को चुनौती दी है। जौहर ट्रस्ट से जुड़े 426 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सपा नेता गाजियाबाद की डासना जेल में बंद हैं। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां की याचिका पर मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति देवेंद्र सिंह प्रथम की खंडपीठ ने आजम खां की ओर से दाखिल याचिका और अंतरिम राहत की अर्जी पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है। अब यह देखना होगा कि अदालत आजम खां को अंतरिम राहत देती है या नहीं। आजम खां ने जौहर ट्रस्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से की गई गिरफ्तारी और न्यायिक हिरासत को चुनौती दी है। यह मामला जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े करीब 426 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग आरोपों से संबंधित है। आजम खां को 31 अक्तूबर को जेल से रिहा होने के बाद ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। आजम खां की याचिका पहले सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इसे इलाहाबाद हाईकोर्ट स्थानांतरित किया गया था। इसके बाद मामले को मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया। आजम खां की ओर से गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए राहत की मांग की गई है, जबकि ईडी ने अपनी कार्रवाई का बचाव किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित कर लिया। आजम को न्यायिक हिरासत में भेजा, 26 नवंबर को अगली सुनवाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को मिले चंदे और रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में इस्तेमाल हुए फंड की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री और सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां को अदालत में पेश किया। ईडी की रिमांड अवधि पूरी होने के बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजने का आदेश दिया। मामले में अगली सुनवाई के लिए 26 नवंबर की तारीख तय की गई है। ईडी ने आजम से तीन दिन तक पूछताछ की थी। इस दौरान जांच का मुख्य केंद्र मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट को मिले चंदे और विश्वविद्यालय के विकास में खर्च की गई धनराशि रही। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि ट्रस्ट को विभिन्न स्रोतों से कितनी धनराशि मिली और उसका इस्तेमाल किन कार्यों में किया गया। जांच के दौरान सहारनपुर में आजम खां के चार्टर्ड अकाउंटेंट से जुड़े ठिकानों पर की गई छापेमारी में मिले दस्तावेज को भी खंगाला गया। इनके आधार पर ट्रस्ट के बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और विश्वविद्यालय के निर्माण में खर्च हुई रकम से जुड़े सवाल पूछे गए। ईडी इन रिकॉर्ड के जरिए चंदे के स्रोत और उसके इस्तेमाल की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। 31 अक्तूबर की शाम रामपुर जेल से बाहर आते ही ईडी ने आजम खां को हिरासत में ले लिया था। यह कार्रवाई रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के तहत की गई थी। इसी मामले में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को रिहा कर दिया गया था।



लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए।



वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।

डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

ट्यूरिन । डेनियल मेदवेदेव ने इनाल्पी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7-6(4), 6-3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर-लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत



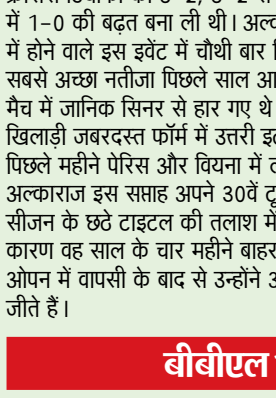
की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0-1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा।

इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अल्काराज साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहे हैं। उनका सबसे अच्छा नतीजा पिछले साल आया था, जब वह टाइटल मैच में जानिक सिनर से हार गए थे। स्पेन के 23 वर्षीय खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में उत्तरी इटली पहुंचे हैं और उन्होंने पिछले महीने पेरिस और वियना में लगातार टाइटल जीते हैं। अल्काराज इस सप्ताह अपने 30वें टूर-लेवल टाइटल और सीजन के छठे टाइटल की तलाश में हैं। कलाई की चोट के कारण वह साल के चार महीने बाहर रहे। अगस्त में यूएस ओपन में वापसी के बाद से उन्होंने अपने 22 में से 20 मैच जीते हैं।

बीबीएल 16

लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन । बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री-साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर—हाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा। किंग ने कहा, 'मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें



विरोधी लाइन-अप के खिलाफ मैच-अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी।'

हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है। किंग ने कहा, 'मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है।'

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका, किस तरह गंभीर की राह पर चले माही

चेन्नई। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।

धोनी के बिना CSK नहीं



चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, 'एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं।' उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।' श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, '2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।'

अब खिलाड़ी नहीं, मेंटर की भूमिका में दिखेंगे धोनी

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे।



ष्टस्च मालिक एन श्रीनिवासन ने कही बड़ी बात

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा।



न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

मिशेल सेंटनर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को तगड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सेंटनर को यह चोट रविवार रात माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में अर्शदीप सिंह के फेंके बाउंसर से लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक रिलीज के मुताबिक, 'स्कैन से पता चला है कि सेंटनर के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनके शामिल होने की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' टेस्ट सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर की जगह न्यूजीलैंड टीम में स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को शामिल किया गया है। 28 साल के फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उन्होंने उस मैच में 98 रन बनाए थे। सेंटनर बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक आकर्षक ऑफर को ठुकरा दिया था ताकि वे सभी फॉर्मेट में



की गैरमौजूदगी में एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में ग्लेन फिलिप्स की भूमिका अहम होगी।

चोट सेंटनर की टेस्ट उम्मीदों के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने अपने न्यूजीलैंड करियर पर ध्यान दे सकें। सेंटनर ने उस समय न्यूजीलैंड हेराल्ड से कहा था, 'जब आप आगे की गर्मियों को देखते हैं, भारत यहां सफेद गेंद और टेस्ट के लिए है और

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोलस, विल यंग, ??डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

बाजार लगातार दूसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 793 अंक उछला, निफ्टी बैंक ने बनाया ऑल टाइम हाई

मुंबई । सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे सत्र में तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी बैंक ने अपना ऑल टाइम हाई टच किया। बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 427.40 अंक यानी 0.52 प्रतिशत चढ़कर 82,532.19 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 96.30 अंक यानी 0.38 प्रतिशत बढ़कर 25,387.40 पर पहुंच गया। वहीं दिन के कारोबार में एक समय बीएसई सेंसेक्स ने अपने पिछले बंद 82,104.79 से 792.70 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की उछाल के साथ 82,897.49 का दिन का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 50 ने अपने पिछले बंद 25,291.10 से 210.25 अंक यानी 0.83



प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,501.35 का इंट्रा-डे हाई टच किया। इस दौरान, निफ्टी 50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में अदाणी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, मैक्स हेल्थ, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक और एम एंड एम रहे, जबकि एचसीएल टेक्नोलॉजीज, पावर ग्रिड कॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, ओएनजीसी, कोल इंडिया, इंफोसिस और टीएमपीवी सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा 1.13 प्रतिशत की तेजी आई, और इसी के साथ इसने आज अपना ऑल टाइम हाई भी टच किया, जो कि 62,442.20 है। इसके साथ ही निफ्टी पीएसयू बैंक में 1.95 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.94 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो में 0.72 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 0.64 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.58 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि वैश्विक बाजारों की कमजोरी के बावजूद भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखी गई, क्योंकि लगातार विदेशी निवेश और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भारत की मैक्रो अर्थव्यवस्था पर सापेक्षिक पकड़ मजबूत हुई। एक्सपर्ट ने आगे बताया कि विदेशी निवेशक लगातार खरीदारी करते रहे और उन्होंने लार्ज कैप शेयरों को प्राथमिकता दी, जबकि बैंकों ने बढ़त का नेतृत्व किया और बैंकिंग इंडेक्स को नए उच्च स्तर पर पहुंचा दिया। ऑटोमोबाइल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी लाभ दर्ज किया। वैश्विक स्तर पर महंगे एआई ट्रेडों की वापसी के कारण आईटी क्षेत्र में गिरावट आई और मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में सुस्ती छाई रही। हालांकि, आरबीआई की सहनशीलता सीमा से ऊपर मुद्रास्फीति के बने रहने से दिसंबर में एक और ब्याज दर वृद्धि की उम्मीदें मजबूत हुई हैं, जिससे मूल्यांकन विस्तार सीमित हो सकता है। एक्सपर्ट ने आगे कहा कि फेड द्वारा ब्याज दर में वृद्धि की बढ़ती संभावना और एनवीडिया के तीसरी तिमाही के परिणामों से पहले की चिंता अनिश्चितता को बढ़ा रही है। साथ ही, दूसरी तिमाही में घरेलू बाजार की मजबूत कमाई ने एक उच्च आधार बनाया है, जिससे यह अनिश्चितता बढ़ गई है कि क्या तीसरी तिमाही में भी कमाई की गति बनी रहेगी और हाल की तेजी के बाद मुनाफावसूली की संभावना बढ़ गई है।

IPL 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड, एसआरएच को फैसले की जानकारी दी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में



बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था कि ऑस्ट्रेलिया को कुछ फैसले लेने होंगे, क्योंकि उनके लिए बहुत सारी जरूरी प्राथमिकताएं सामने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका चाहेगी, जो आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद है।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड के फुकेत में कमर्शियल इमारत में लगी भीषण आग, 11 लोगों की मौत, 16 घायल

फुकेत, एजेंसी। सोमवार तड़के थाईलैंड के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप फुकेत में एक कमर्शियल शॉपहाउस (व्यावसायिक इमारत) में भीषण आग लग गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। आग एक ऐसी इमारत में लगी जहां वाहनों को किराए पर देने का काम होता था, और बाद में यह आस-पास की कई अन्य इमारतों में फैल गई। यह इमारत फुकेत के पश्चिमी तट पर स्थित पातोंग बीच के पास एक शहरी इलाके में है। थाई अधिकारियों के अनुसार, आग तड़के लगभग 3:17 बजे लगी और दमकलकर्मियों को इसे काबू में करने में करीब दो घंटे का समय लगा। पुलिस ने बताया कि घायलों में 15 लोग थाई नागरिक थे और एक म्यांमार का नागरिक था। मरने वालों या घायलों में कोई भी पर्यटक शामिल नहीं था। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

एनवीडिया के सीईओ के तौर पर जेनसन हुआंग की वापसी की तैयारी, सहयोगियों ने बनाया वॉर रूम; रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। जेनसन हुआंग एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी के तौर पर वापसी करने पर विचार कर रहे हैं और उन्होंने अपने करीबी लोगों के साथ इस संभावना पर चर्चा भी की है। फाइनेंशियल टाइम्स ने इस मामले की जानकारी रखने वालों के हवाले से बताया है कि सिलिकॉन वैली के अधिकारियों के लिए एक वॉर रूम तैयार किया जा रहा है, जो एनवीडिया के पूर्व प्रमुख की वापसी के लिए पैरवी करेगी। साथ ही वे व्हाइट हाउस से भी समर्थन जुटाने की कोशिश करेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक जानकार व्यक्ति ने कहा, फ्रंटियर लैब्स के बाहर टेक जगत के सभी अहम लोग जेनसन को पसंद करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रयासों को हुआंग का समर्थन हासिल है। यह रिपोर्ट उस खबर के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें बताया गया था कि जेनसेन हुआंग के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश के दौरान एनवीडिया के बोर्ड ने ब्रिटिश चिपमेकर आर्म होल्डिंग्स के सीईओ रेने हास से संपर्क किया था। हालांकि एनवीडिया की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। गुरुवार को हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दिया था। इन संबंधों में एक ऐसा मामला भी शामिल है जिसमें एक संदिग्ध चीनी जासूस का नाम आ रहा है, जिससे कंपनी की एडवांस्ड एआई चिप्स के चीन को निर्यात पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस स्कैम ने चिप बनाने वाली कंपनी को संकट में डाल दिया है और एआई इंडस्ट्री में खलबली मचा दी है। एक ऐसी इंडस्ट्री जिसे खड़ा करने में उन्होंने खुद आर्थिक मदद दी थी।

भारत को लोकतंत्र पर लेक्चर देना गलत, वोट चोरी वाले तंज पर मेलोनी की सहयोगी का इटली के नेता को जवाब

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्सके महासचिव जियाकोमो फिलिबेक की आलोचना की है। फिलिबेक ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा था, वोट चोरों, गद्दी छोड़। के नारे लगाए थे। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं। उन्होंने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए, प्रधानमंत्री मोदी की भाजपा पर हमला बोला और कहा: वोट चोरों, गद्दी छोड़। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

डीएमके ने किया सरकार बनाने का दावा: तमिलनाडु में विजय सरकार पर संकट

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) ने राज्य में जल्द अपनी सरकार बनने का दावा किया है। पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि उनके समर्थक उन्हें अभी भी मुख्यमंत्री कहकर बुलाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय राजधानी दिल्ली में थे और उनकी पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), कथित तौर पर सरकार गिराने की कोशिशों के प्रति अपने विधायकों को आगाह कर रही है।

स्टालिन ने सोमवार को एक डीएमके नेता के परिवार में शादी समारोह में कहा कि टीवीके का मौजूदा शासन खराब प्रशासन प्रदान कर रहा है। उन्होंने समर्थकों से उन्हें मुख्यमंत्री कहना बंद करने का अनुरोध किया, क्योंकि यह उनके लिए शर्म और दुख की बात है, लेकिन साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि द्रमुक जल्द ही सरकार बनाएगी। यह पहली बार नहीं है जब स्टालिन ने ऐसा दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि राज्य के विपक्षी दल एक नए फ्लोर टेस्ट की मांग कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने हाल ही में अपने विधायकों की एक बैठक बुलाई थी जो करीब तीन घंटे तक चली। इस बैठक में उन्होंने विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात की, जिसमें 10 विधायकों के एक समूह से अलग से चर्चा की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, विधायकों को चेताया गया था कि सरकार को गिराने की कोशिश हो सकती है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई थी। एक विधायक ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव को 6 महीने (13 मई से 13 नवंबर) पूरे हो चुके हैं और 13 नवंबर के बाद कभी भी एक और अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। विधायकों को यह भी बताया गया कि सरकार के पास ऐसी जानकारी है कि विपक्ष सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकता है। आरोप लगाए गए थे कि डीएमके और अन्य विपक्षी दल दिल्ली में राजनीतिक ताकतों की मदद से इसे अंजाम दे सकते हैं। विधायकों को ऐसे किसी भी राजनीतिक फैसले से बचने की सलाह दी गई,



जिससे उनके राजनीतिक करियर पर खतरा हो। गौरतलब है कि 4 मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ दिनों बाद ही विजय सरकार को फ्लोर टेस्ट का सामना करना पड़ा था। स्टालिन ने अक्टूबर में ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि मौजूदा सरकार शायद 6 महीने भी पूरे न कर सके।

केजरीवाल का शीशमहल अब आम जनता के लिए खुलेगा

● भ्रष्टाचार का उदाहरण दिखाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पुराना सरकारी आवास, जो कि शीशमहल के नाम से जाना जाता है, अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आवास को देखने के लिए समय आरक्षित करने और टिकट बुक करने की व्यवस्था अगले सप्ताह तक शुरू कर दी जाएगी। रेखा के मंत्री प्रवेश सिंह ने कहा कि यह कदम जनता की मांग पर उठाया गया है और इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण पेश करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति जो कि कभी सरकारी वाहन का उपयोग न करने का वादा किया था, उसने कई अन्य घरों को ध्वस्त कर अपने लिए यह आलीशान आवास बनवाया। शुरुआत में मीडिया को आवास का दौरा कराया जाएगा, जिसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर इसके आंतरिक हिस्सों को देख सकते है। फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला नंबर छह में केजरीवाल 2015 से 2024 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रहे थे। इस बंगले को शीशमहल नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक राजनीतिक अभियान के दौरान दिया था, ताकि आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर कर सके। पिछले साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केजरीवाल के तत्कालीन सरकारी आवास के नवीनीकरण पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो अनुमानित लागत से 342 प्रतिशत अधिक थे।

बिलकिस बानो का दर्द: दोषियों की जमानत पर फिर छलका अविश्वास

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक बलात्कार और परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषी दो लोगों की उम्रकैद की सज़ा पर रोक लगाकर उन्हें ज़मानत दे दी है। इस फैसले पर बिलकिस बानो ने गहरा सदमा और अविश्वास जताया है, उनका कहना है कि यह आदेश उन्हें सुने बिना ही पारित किया गया। अपने बयान में, बिलकिस ने कहा कि दर्द, सदमे और अविश्वास के कारण उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं और कुछ बोल पाना भी मुश्किल हो रहा है।



उन्होंने कहा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि एक बार फिर, दूसरी बार, सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए या मेरी बात सुने बिना ही आदेश पारित कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी प्रेस रिपोर्टों से मिली। बिलकिस ने अपनी आपबीती याद कर कहा कि 19 साल की उम्र में उनकी नन्ही बेटी, परिवार, घर और इंसानियत पर उनका भरोसा सब कुछ बेरहमी से छीन लिया गया था। उस दिन के बाद से, पिछले 24 सालों से वह अपने लिए और हर जगह की महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं, जिसमें उन्हें लाखों लोगों का समर्थन और एकजुटता मिली है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस पी.बी. वराले की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बिपिन चंद्र जोशी और प्रदीप मोर्डिया को ज़मानत दी। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि वे 17 साल से अधिक समय से जेल में बंद थे। यह मामला 2002 के गुजरात दंगों की सबसे भयानक घटनाओं में से एक से जुड़ा है, जब गर्भवती बिलकिस बानो के साथ दोषियों ने सामूहिक बलात्कार किया था। उनकी 3 साल की बेटी का सिर एक चट्टान पर पटक कर हत्या कर दी गई थी। उनकी माँ और चचेरी बहन (जिसने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था) के साथ भी सामूहिक बलात्कार कर उनकी हत्या की गई। 8 नाबालिगों सहित परिवार के सात सदस्य क्रूर हिंसा का शिकार बने और मारे गए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले का मुकदमा गुजरात से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया गया था, जहाँ मुंबई की ट्रायल कोर्ट ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी।

भारत को चाहिए 2000 विमान: 1000 और खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश 1,000 और विमान खरीदने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र की राजधानी काहिरा में यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत को अपनी जरूरतों के लिए 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है, जबकि 1,200 से अधिक का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है। सरकार विमान निर्माताओं से जल्द आपूर्ति के लिए बातचीत कर रही है। देश में हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि इसकी प्रमुख वजह है। अब छोटे शहरों में भी हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच में आ रही है, साथ ही अर्थव्यवस्था के विस्तार, कारोबार और पर्यटन ने भी मांग बढ़ाई है। अनुमान है कि भारत में हवाई यात्रियों की संख्या औसतन 8.9 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ सकती है।

हालांकि, भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा



पहले ही 1,200 से अधिक विमानों के बड़े ऑर्डर दिए जा चुके हैं, फिर भी कमी बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह वैश्विक उत्पादन संबंधी बाधाएं, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट, इंजन की कमी और कुशल कर्मचारियों का अभाव है, जिसके कारण विमानों की डिलीवरी में कई साल की देरी हो रही है। कुछ मामलों में तो 15 साल तक लग सकते हैं। इस बीच, इंडिगो और एयर इंडिया जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियों ने भी बड़े ऑर्डर दिए हैं। इंडिगो ने एयरबस को 500 ए320 फैमिली विमानों और बाद में 60 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया है। वहीं, एयर इंडिया समूह ने 2023 में 470 और 2024 में 100 एयरबस विमानों सहित कुल 570 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है। इस विस्तार का मकसद घरेलू बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का नेटवर्क बढ़ाना है। सरकार की योजना सिर्फ विदेशों से विमान खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में विमान निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इसी दिशा में ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर और अडानी समूह ने भारत में क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावनाओं पर काम करने के लिए साझेदारी की है। अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल विमान बेड़ा करीब 2,250 विमानों का हो सकता है। नए विमानों की उपलब्धता से हवाई यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा, जिसमें अधिक उड़ानें, बेहतर कनेक्टिविटी (खासकर छोटे शहरों और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर) और यात्रा के अधिक विकल्प शामिल हैं। हालांकि, ईंधन लागत, मांग और परिचालन खर्च जैसे कारकों के कारण टिकटों की कीमतों में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना कम है। इस व्यापक विस्तार के लिए विमान खरीदने के साथ-साथ 35,000 पायलट, 34,000 तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और हवाई अड्डों तथा रखरखाव सुविधाओं की क्षमता बढ़ाना भी आवश्यक होगा।

अमिताभ और अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की जान से मारने की धमकी

मुंबई ,एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को फिर जान से मारने की धमकी मिली है। कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने पोस्ट साझा कर उन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इस धमकी में साफ कहा गया है कि वे चाहे जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं मार दिया जाएगा। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। कुख्यात गैंगस्टर ढिल्लों ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से उसके दो साथियों, विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। कुख्यात गैंगस्टर ने स्पष्ट किया कि इन गिरफ्तारियों के बावजूद उनकी कथित योजना नहीं रुकेगी और इन दोनों का संबंध किसी दूसरे गैंग से नहीं है। गोल्डी ने धमकी को 1984 के सिख विरोधी नरसंहार से जोड़ा, जिसमें कुख्यात गैंगस्टर ने कहा कि इसके दोषियों को माफ नहीं किया जाएगा। इसके बाद सीधे तौर पर अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम लेकर कहा कि वे चाहें जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं निशाना बनाया जाएगा। गैंगस्टर ने धमकी भरे लहजे में लिखा, दोनों को बुलेटप्रूफ केबिन में ही मारा जाएगा।

फिलहाल, सोशल मीडिया पर सामने आई गंभीर धमकी को लेकर संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर भी फायरिंग की घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। उस घटना के बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। बिग बी अब हर रविवार अपने घर के बाहर फैंस से बुलेटप्रूफ केबिन के भीतर से ही मुलाकात करते हैं। अमिताभ बच्चन को इससे पहले भी कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं।

एनवीडिया ही नहीं, ड्रैगन के निशाने पर पूरी दुनिया

वाशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग से जुड़े ताजा मामले ने चीनी जासूसी के दायरे को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की है। इस घटना ने दुनिया भर की सरकारों द्वारा बताए जा रहे उस चीनी अभियान की ओर ध्यान खींचा है, जिसका मकसद व्यावसायिक-तकनीकी जानकारियों को जुटाना और सैन्य योजनाओं की खुफिया जानकारी चुराना है।

वहीं बीजिंग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे बदनामी की साजिश करार दिया है. चीन ने कहा है कि अमेरिका तकनीक निर्यात प्रतिबंधों को जायज ठहराने के लिए चीनी जासूसी की कहानियां गढ़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह गतिविधि वैश्विक स्तर पर चल रही है। जर्मनी का आरोप है कि एक कपल ने यहां अनुवादक और ऑटो-उद्योग के



कर्मचारी बनकर, ढ्ढ, कंप्यूटर विज्ञान और एयरोस्पेस के जानकारों से संपर्क बढ़ाया। उन्होंने इनमें से कुछ लोगों को चीन ले जाकर वहां की सरकारी हथियार कंपनियों के लिए नागरिक (सिविलियन) विषयों पर व्याख्यान दिलवाए। दुनियाभर में एक्टिव है चीन का खुफिया नेटवर्क ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड की खुफिया एजेंसी का कहना है कि सरकार से करीबी संबंध रखने वाली एक चीनी (ऑब्जर्वेटरी) ने एक स्थानीय कंपनी के जरिए अंतरिक्ष-ट्रैकिंग उपकरण लगाने की कोशिश की, जिसका मकसद सैन्य खुफिया जानकारी जुटाना था। ताइवान का कहना है कि चीनी एजेंट सोशल मीडिया पर कर्ज में डूबे सैनिकों को निशाना बनाते हैं। वे उन्हें लोन का लालच देकर फंसाते हैं और फिर उनसे गोपनीय जानकारियां निकलवाते हैं या उनके साथियों से परिचय मांगते हैं। एफबीआई ने चीनी जासूसी को अमेरिका की आर्थिक भलाई के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमएलजेड 5 ने 2022 में कहा था कि वह चीन से जुड़ी सात गुना अधिक जांच कर रही है, जितनी चार साल पहले कर रही थी। कनाडा की खुफिया एजेंसी चीन को अपना सबसे बड़ा काउंटर-इंटेलिजेंस खतरा मानती है, जबकि डच खुफिया एजेंसी का कहना है कि चीनी डिजिटल जासूसी, जो तकनीकी कंपनियों को निशाना बनाती है। ब्रिटेन की संसदीय निगरानी संस्था ने चीन की व्यवस्था को दुनिया का सबसे बड़ा सरकारी खुफिया तंत्र बताया है, जिसमें सेना, पुलिस और पार्टी के अंग भी शामिल हैं। फिलीपींस में, संदिग्ध जासूसों ने युद्धपोतों और नौसैनिक अड्डे के पास ड्रोन का इस्तेमाल किया। इसके अलावा, उन्होंने ऐसे वाहनों का भी उपयोग किया जिनमें नकली सेलफोन टावर, कैमरे और मैपिंग तकनीक लगी थी, ताकि संवेदनशील जगहों की निगरानी की जा सके। अधिकारियों का कहना है कि इन एजेंटों ने रक्षा प्रतिष्ठान के लोगों को अपने साथ मिलाया और नौसैनिक कर्मियों के नाम हासिल किए।

पीठ से जुड़े पैदा हुए जुड़वां भाईयों की हुई दुर्लभ सर्जरी, 22 डॉक्टरों की टीम ने 40 दिन के बच्चों को किया अलग



बैंकाक, एजेंसी। मलेशिया में डॉक्टरों ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए पीठ के निचले हिस्से से जुड़े दो जुड़वां बच्चों को अलग कर दिया। ऑपरेशन के समय दोनों बच्चे महज 40 दिन के थे। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक बड़ी टीम शामिल थी।

फिलहाल दोनों बच्चों को अस्पताल में विशेष निगरानी और देखभाल में रखा गया है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों बच्चे पाइगोपैगस नामक दुर्लभ चिकित्सकीय स्थिति के साथ पैदा हुए थे। इसमें जुड़वां बच्चे शरीर के पिछले हिस्से से जुड़े होते हैं। इस मामले में उनकी निचली रीढ़, त्रिकास्थि और श्रोणि आपस में जुड़ी हुई थीं। अस्पताल के मुताबिक, शुरुआत में योजना बनाई गई थी कि बच्चों के चार से छह महीने का होने के बाद उन्हें अलग करने का ऑपरेशन किया जाएगा। हालांकि, एक बच्चे को नवजात देखभाल इकाई में सांस लेने के लिए अधिक सहायता की जरूरत पड़ने लगी। बच्चों के साझा अंग तंत्र पर बढ़ते शारीरिक दबाव को देखते हुए डॉक्टरों ने ऑपरेशन निर्धारित समय से पहले करने का फैसला किया। सितंबर में दोनों बच्चों को अलग करने की जटिल सर्जरी की गई। इस ऑपरेशन में डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बच्चों के साझा अंगों को अलग करते हुए उनके शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों को सुरक्षित रखना था। बच्चों के सर्जनों ने सबसे पहले दोनों के साझा आंतों और मूत्र तंत्र को अलग किया। इसके बाद अलग-अलग गुदा द्वार बनाए गए और मूत्र मार्ग का पुनर्निर्माण किया गया। डॉक्टरों ने श्रोणि तल की संरचना को भी दोबारा तैयार किया। वहीं, तंत्रिका शल्य चिकित्सकों ने रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से के आसपास नसों की पहचान करने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया। इसका उद्देश्य रीढ़ की नसों के कार्य को सुरक्षित रखना और बच्चों के पैरों की गति बनाए रखना था। इस जटिल सर्जरी में कुआलालंपुर के तुंकू अजीजा अस्पताल और सरवाक जनरल अस्पताल के विशेषज्ञों की बहुविषयक टीम शामिल थी।

पत्नी को बेहोश कर दोस्तों से करवाता रेप; खुद करता ऑनलाइन लाइवस्ट्रीम, पीड़िता ने टीवी पर खोली दरिंदे पति की पोल

लंदन एजेंसी। शादी के बाद जिस शख्स पर एक महिला ने सबसे ज्यादा भरोसा किया, वही उसकी जिंदगी का सबसे बड़ा गुनहगार निकला। ब्रिटेन की एक महिला ने खुलासा किया है कि उसका पति उसे नशीली दवाएं देकर बेहोश कर देता था। इसके बाद दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म करवाता था और खुद इन घटनाओं को देखता था। इतना ही नहीं, वह कथित तौर पर इन घटनाओं का ऑनलाइन सीधा प्रसारण भी करता था। महिला को करीब पांच साल तक अपने साथ हो रही इस हैवानियत का पता नहीं चला। एक रात अचानक नींद खुलने पर जब उसने खुद को एक अनजान व्यक्ति के यौन हमले का शिकार पाया और दरवाजे पर पति को खड़ा देखा, तब इस खौफनाक सच्चाई का खुलासा हुआ। अब महिला ने अपनी पहचान सार्वजनिक करते हुए ब्रिटिश टेलीविजन चैनल आईटीवी न्यूज पर आपबीती सुनाई है।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने इस सप्ताह अपनी पहचान सार्वजनिक करने का फैसला किया। उन्होंने आईटीवी न्यूज को बताया कि बाहर से उनका पति बिल्कुल सामान्य दिखाई देता था। परिवार की तस्वीरों में दोनों की जिंदगी खुशहाल नजर आती थी, लेकिन घर के भीतर उसका व्यवहार हिंसक और नियंत्रण करने वाला



था। महिला के मुताबिक, पति उनकी डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाओं पर पूरा नियंत्रण रखता था। एक घरेलू वीडियो में भी वह उन्हें दवा लेने के लिए कहता दिखाई देता है। महिला को संदेह है कि इन दवाओं का इस्तेमाल उन्हें बेहोश रखने के लिए किया जाता था, ताकि पति दूसरे पुरुषों के साथ मिलकर उनका यौन शोषण कर सके। उन्होंने बताया कि पति कई बार उनके पेय पदार्थ में दवाओं का पाउडर मिला देता था। बाद में उसने जीएचबी नामक नशीले पदार्थ का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। यह ऐसा पदार्थ है, जिसके सेवन से व्यक्ति बेहोश हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पति ने कार के पहिए साफ करने वाले एक रासायनिक पदार्थ के जरिए भी इसका इस्तेमाल किया था। महिला ने उस रात का भयावह अनुभव भी साझा किया, जब पहली बार उन्हें अपने साथ हो रही हैवानियत का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि एक रात वह रसोई में पति के साथ बैठी थीं। पति ने साथ में पेय पीने का सुझाव दिया और उनके लिए जिन एंड टॉनिक बनाया। महिला को जरा भी अंदाजा नहीं था कि पति उनके पेय में कुछ मिला सकता है। उन्हें यह भी याद नहीं कि उन्होंने पूरा पेय खत्म किया था या नहीं। कुछ घंटे बाद जब उनकी आंख खुली तो वह बिस्तर पर बिना कपड़ों के थीं और एक अनजान व्यक्ति उनका दुष्कर्म कर रहा था। उन्होंने तुरंत बगल में देखा तो पति दरवाजे पर खड़ा था। उस समय उन्हें लगा कि अब उनकी हत्या कर दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने हिम्मत दिखाई और तेजी से बिस्तर पर पीछे की ओर खिसकने लगीं। इसके बाद वह व्यक्ति उठकर वहां से भाग गया। बाद में महिला को पता चला कि उनके साथ यह अपराध केवल एक या दो बार नहीं हुआ था। पति लंबे समय तक उन्हें नशीला पदार्थ देकर बेहोश करता रहा और दूसरे पुरुषों को घर बुलाकर उनका यौन शोषण करवाता रहा। वर्ष 2022 में महिला के पति को इन अपराधों के लिए 14 साल और आठ महीने की जेल की सजा सुनाई गई थी। उस समय उसकी उम्र 43 वर्ष थी और वह ब्रिस्टल का रहने वाला था। उसने तीन बार दुष्कर्म, तीन बार दुष्कर्म की कोशिश, एक यौन हमले और जहरीला पदार्थ देने के अपराध स्वीकार किए थे।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कंलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com